समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित।

दैनिक साईं मीडिया

विश्वास का प्रतीक

6 निर्णय क्षमता .....

ट्रैन हाईजैक.... 04

वर्ष : 16 अंक : 76 गौतमबुद्धनगर, संस्करण,सोमवार,17 मार्च 2025 पृष्ठ:08 मूल्य : दो रुपये

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं।बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए।प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है।इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

मेरठ के निजी विश्वविद्यालय में नमाज पर बवाल, मामला दर्ज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में होली के दौरान एक निजी विश्वविद्यालय में नमाज पढ़ने और वीडियो वायरल करने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ गया है।उक्त घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले के संबंध में एसएचओ अनूप सिंह ने मीडिया को बताया कि कार्तिक हिंदू की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं आईआईएमटी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता सुनील शर्मा का कहना था कि मामले की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नमाज पढ़ने और फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल करने से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा उत्पन्न होता है।ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने वीडियो अपलोड करने के आरोपी खालिद प्रधान के खिलाफ पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यहां बताते चलें कि उक्त घटना चर्चा में तब आई जबकि छात्र खालिद प्रधान मेवाती ने वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर अपलोड किया।इस वीडियो में छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ते हुए दिखाया गया।वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय हिंदू समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्शन लेते हुए प्रधान और तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित भी कर दिया।इसके बाद भी हिंदू संगठन विरोध जताते रहे और गिरफ्तारी की मांग की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

आवासीय विद्यालय के टीचर ने की खुदकुशी, सुसाइट नोट में लिखे 6 लोगों के नाम

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक आवासीय विद्यालय के शिक्षक ने खुदकुशी कर ली। शिक्षक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने छह लोगों पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि शिक्षक ने शनिवार को महाराष्ट्र के बीड जिले में घर में छत से लटक कर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान धनंजय नागरगोजे के रूप में हुई है। नागरगोजे पिछले 18 सालों से बीड के केलगांव इलाके में एक आवासीय स्कूल में पढ़ाते थे। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने से पहले अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किए गए नोट में नागरगोजे ने कहा कि वह स्कूल से जुड़े छह लोगों द्वारा उत्पीड़न के कारण यह कदम उठा रहा हैं। शिवाजीनगर पुलिस ने फिलहाल आत्महत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। अभी तक किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अगर शिक्षक की मौत के संबंध में कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अमृतसर में हुई घटना को लेकर पंजाब सरकार को अलर्ट होना चाहिए : मनोहर लाल

– सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान पंजाब के अमृतसर में मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो यह घटना हुई है इसे लेकर वहां की सरकार को अलर्ट रहना चाहिए। अगर सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी। सोनीपत में भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की हत्या पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ये मेरी जानकारी में नहीं है, पर मैं इस बारे में जानकारी लूंगा और जो भी दोषी होंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में इस तरह के क्राइम करने वाले अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि हरियाणा के सोनीपत जिले के जवाहरा गांव में होली के दिन भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई।इस घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या का कारण एक पुरानी रंजिश थी, जिसमें पड़ोसी से जमीन को लेकर आपसी मतभेद थे। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

गर्मी ने दी जल्दी दस्तक: ओडिशा और उप्र सहित कई राज्यों में हीटवेव शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली खत्म होने के साथ ही गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार जा रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। बीते साल से तुलना करें तो इस तरह की हीटवेव की शुरुआत अप्रैल की शुरुआत में हुई थी।

विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्छ, तेलंगाना और रायलसीमा में हीटवेव की शुरुात हो गई है। वहीं ओडिशा के झारसुगुडा में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शनिवार को ओडिशा को बौध में सबसे ज्यादा तापमान 42.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।दिल्ली में बारिश के बाद बढ़ते तापमान से राहत मिली है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि 4.1 डिग्री से ज्यादा था। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया मध्य भारत के ऊपर उच्च दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसकी वजह से हवा गर्म हो रही है। इसके अलावा आसमान साफ होने की वजह से सूर्य का रेडिएशन बहुत ज्यादा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में इसकी वजह से हीटवेव का असर देखा जा रहा है।

लेकिन इस बार मार्च की शुरुआत से ही गर्मी का अहसास होने लगा और मार्च खत्म होते-होते हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बीते साल 5 अप्रैल को इतना तापमान दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा, इस बार गंभीर हीटवेव की शुरुआत जल्दी हो गई है। कभी-कभी ऐसा होता है कि मार्च में इस तरह की स्थित बन जाती है। वरना आम तौर पर अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज किया जाता है। शुक्रवार को दिल्ली के सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य तापमान से 7.5 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग का कहना है कि ओडिशा में 18 मार्च और सौराष्ट्र में 17 मार्च तक हीटवेव की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, विदर्भ, उत्तरी तेलंगाना में भी 16 मार्च से हीटवेव का अनुमान है। बता दें कि इस साल जनवरी और फरवरी ने भी तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। फरवरी का अधिकतम तापमान 1901 के बाद पहली बार इतना ज्यादा दर्ज हुआ। विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच पहुंच गया है। सौराष्ट्र, कच्छ और तेलंगाना में 38 से 40 डिग्री तक अधिकतम तापमान बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भी पड़ने लगी गर्मी

उत्तर भारत में भी तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, मारठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में भी लोग उमस से बेहाल होने लगे हैं। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश की वजह से तापमान सामान्य से कम हो गया है। जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बालिस्टान, मुजफ्फराबाद और तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, केरल और माहे का तापमान सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

भारत की 5 दिवसीय यात्रा पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन आज रविवार को पांच दिन की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। पदभार संभालने के बाद उनकी यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम लक्सन के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, मंत्री, व्यापारिक नेता, मीडिया प्रतिनिधि और न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। भारत में उनका यात्रा कार्यक्रम दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों से भरा हुआ है। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, पीएम लक्सन भारत पहुंचे के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। 20 मार्च तक चलने वाली पांच दिवसीय यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। पीएम लक्सन की यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करना है, तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। 19-20 मार्च को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वे भारतीय व्यापार जगत के नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच स्थायी और बहुआयामी संबंधों को रेखांकित करती है। यह यात्रा व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों के लिए लाभप्रद, शोधकर्ताओं ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए अध्ययन में सामने आया हैं कि एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों को अधिक लाभ हो सकता है, भले ही यह वैक्सीन मौजूदा वायरस के लिए विशेष रूप से न बनी हो। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ खास प्रकार के मौसमी फ्लू वायरस से पहले हुए संक्रमण, एच5एन1 बर्ड फ्लू के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। अध्ययन में पता चला कि 1968 से पहले के फ्लू वायरस के संपर्क में आए बुजुर्गों में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक पाई गईं।

शोधकर्ताओं ने बताया, बचपन में हुए फ्लू संक्रमण से बनी रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दशकों पहले एच1एन1 और एच3एन2 वायरस के संपर्क में आने से बनी एंटीबॉडी अब एच5एन1 वायरस से भी प्रतिक्रिया कर सकती हैं। हालांकि ये एंटीबॉडी संक्रमण को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन अगर एच5एन1 का प्रकोप बढ़ा तब यह बीमारी की गंभीरता को कम कर सकती हैं। एच5एन1 वायरस कई सालों से

पक्षियों में फैल रहा था, लेकिन हाल ही में इसका एक नया प्रकार (क्लेड 2.3.4.4बी) सामने आया है, जो अब मवेशियों में भी फैल रहा है। यह मौजूदा वायरस अभी तक मानव श्वसन तंत्र की कोशिकाओं से आसानी से नहीं जुड़ता, लेकिन यदि यह स्तनधारी जीवों में अधिक फैला, तब इसमें इसतरह के बदलाव हो सकते हैं जिससे यह इंसानों में तेजी से फैल सके। यदि ऐसा हुआ, तब एच5एन1 इंसानों के बीच भी फैल सकता है। मौजूदा फ्लू वैक्सीन मुख्य रूप से वायरस के हीमैग्लुटिनिन प्रोटीन को पहचानने वाली एंटीबॉडीज बनाती हैं, जो वायरस को शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने से रोकती हैं।

शोधकर्ताओं ने 1927 से 2016 के बीच जन्मे 150 से अधिक लोगों के खून के नमूनों की जांच की, ताकि यह देखा जा सके कि उसमें एच5एन1 सहित विभिन्न फ्लू वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी कितनी हैं। उन्होंने पाया कि 1968 से पहले जन्मे लोगों में, जिन्हें बचपन में एच1एन1 या एच2एन2 वायरस का सामना करना पड़ा था, उसमें एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक थीं। अध्ययन में सामने आया कि किसी व्यक्ति के जन्म वर्ष का उसके शरीर में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी की मात्रा से गहरा संबंध है। छोटे बच्चे, जिन्हें अभी तक मौसमी फ्लू वायरस का सामना नहीं करना पड़ा, उनमें इस वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडीज बहुत कम मिली।

म्यांमार में साइबर ठगी कराने के लिए गिरोह में होती है भर्ती ऐसे खुला राज

लखनऊ (एजेंसी)। म्यांमार के म्यावाडी में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी कराने वाले गिरोह से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके खिलाफ म्यांमार से लौटे एक पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों आरोपी मासूम लोगों को बैंकॉक में डेटा इंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाना का झांसा देते थे। फिर इन्हें म्यांमार ले जाकर ठगी करवाते थे। इस गिरोह ने लखनऊ के 5 युवकों को म्यांमार म्यावाडी के एक अपार्टमेंट में बंधक बनाकर रखा था। इस गिरोह को बैंकॉक से ऑपरेट किया जाता है। पुलिस यूपी में रहने वाले इस गिरोह के 5 सदस्यों की तलाश कर रही है।

इंस्पेक्टर मदेयगंज राजेश सिंह ने म्यांमार से साइबर ठगी गिरोह से छूट कर आए मशालची टोला निवासी सुल्तान सलाउद्दीन की शिकायत पर खदरा निवासी मोहम्मद अहमद खान उर्फ भैया और जानकीपुरम निवासी जावेद इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने

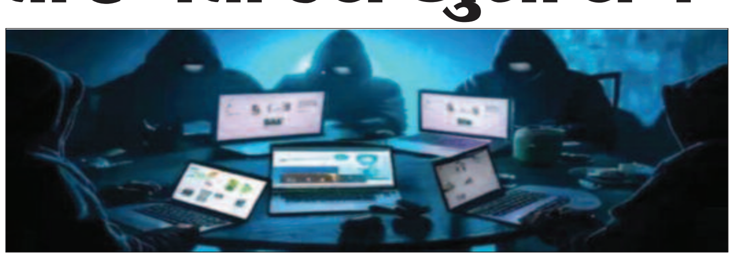

बताया कि उन्होंने विदेश में नौकरी के लिए सोशल साइट पर संपर्क करने वालों के साथ ही विदेश जाने वालों की तलाश करते थे। इसी दौरान पक्का पुल स्थित एक कैफे पर जावेद को सुल्तान सलाउद्दीन मिला था। उसने विदेश में अच्छी नौकरी खोजने की बात कही, जिसके बाद जावेद ने उसे बैंकाक में डॉटा इंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का भरोसा दिलाया। सुल्तान प्रतिमाह 30 हजार थाई भात (77 हजार रुपये) में नौकरी मिलने की बात पर राजी हो गया।

आरोपी ने बताया कि बैंकॉक का वीजा और हवाई टिकट देने के बदले एजेंट जावेद ने पांच लाख रुपये लिए थे। वहां पहुंचते ही एक अपार्टमेंट में इन लोगों को बंधक बना लिया, जहां साइबर ठगी की ट्रेनिंग देने के बाद ठगी करवाई। हमारा गैंग बैंकाक से ऑपरेट होता है। भारत से वह लोग युवकों को बैंकॉक भेजते हैं, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य बैंकॉक से म्यांमार तक युवकों के भेजने का काम करते हैं। उनके लोगों को रफात राही नाम का युवक डील करता है।

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंत मान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता स्वर्ण मंदिर पहुंचे। बता दें, आप ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा, 'मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की।'

केजरीवाल ने इस दौरान नशा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।'

आप प्रमुख से पहले भगवंत मान ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। हम पंजाबियों से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे। हम पंजाब से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए जारी लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। पंजाब के तीन करोड़ लोगों को आपके समर्थन और उन पर विश्वास के लिए धन्यवाद।'

नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा अधिक

–आईसीएमआर की नई स्टडी में आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। ताजा रिपोर्ट आई है, इसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तय सीमा से ज्यादा मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए स्ट्रेंग्थनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम लागू है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (टीसीसीसीएस) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी तैयार हो रहा है। इन संस्थानों में कैंसर की जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सभी 22 नए एम्स में भी कैंसर के इलाज की सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें जांच, दवा और सर्जरी की सुविधाएं शामिल हैं।

मंत्री अनुप्रिया ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों का इलाज मुफ्त या बहुत कम कीमत पर होता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेवाय) के तहत भी कैंसर का इलाज करवाया जा सकता है। योजना में हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इससे देश के 12.37 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ लोग (आबादी का सबसे गरीब 40 प्रतिशत हिस्सा) फायदा उठा रहे हैं। हाल ही में, पीएम-जेवाय ने 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा दिया है।

उन्होंने बताया कि एबी पीएमजेवाय के तहत, कैंसर के इलाज के लिए 200 से ज्यादा पैकेज हैं। इन पैकेज में मेडिकल ओंकोलॉजी, सर्जिकल ओंकोलॉजी, रेडिएशन ओंकोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन के 500 से ज्यादा प्रक्रियाएं शामिल हैं। ये सभी नैशनल हेल्थ बेनिफिट पैकेज (एचबीपी) मास्टर में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोले गए हैं। इन केंद्रों पर अच्छी क्वॉलिटी की जेनेरिक दवाइयां सस्ती कीमतों पर मिलती हैं। 28 फरवरी तक देश में कुल 15,057 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।

नोएडा में अतिरिक्त मुआवजा वितरण के मामले में फाइल सौंपी जाएगी

नोएडा। नोएडा में अतिरिक्त मुआवजा वितरण के मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित की गई एसआईटी की टीम को प्राधिकरण की ओर से फाइल सौंपी जा रही है। इस दौरान अतिरिक्त मुआवजा के अलावा 1976 से लेकर 2017 तक मुआवजा से संबंधित भी कई फाइलों की नोट शीट मांगी गई। इन फाइलों की समरी बनाकर एसआईटी को भेजा जा रहा है। इससे पहले 31 फाइल और बाद में 16 फाइल मांगी गई थी।

ये सभी फाइल मुआवजा से संबंधित है। बताया गया कि इस सप्ताह एक बार फिर से एसआईटी की टीम नोएडा प्राधिकरण आ सकती है। ये पूरा मामला गेझा

तिलपता बाद , भूड़ा गांव से जुड़ा 100 करोड रुपए से अधिक के राजस्व नुकसान से है।

दरअसल, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पुरानी एसआईटी की जांच को दर किनार करते हुए हाइकोर्ट के पूर्व जज की निगरानी में जांच के आदेश दिए थे। कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अगुआई में एक तीन सदस्य कमेटी बनाई थी।

इस कमेटी को दोबारा से इस पूरे प्रकरण की जांच करनी है। इस सिलसिले में टीम प्राधिकरण पहुंची और जांच शुरू की। इस टीम के जांच अधिकारी यूपी कैडर के तो है लेकिन उनकी पोस्टिंग यहां नहीं हुई है।

कोर्ट मानने को तैयार नहीं कि गबन में अधिकारी शामिल नहीं

दरअसल, पुरानी एसआईटी की टीम ने जो जांच रिपोर्ट बनाई थी। उसमें दो याचिकाकर्ता अधिकारियों की संलिप्तता को दिखाया था। लेकिन कोर्ट ये मामने को तैयार नहीं है प्राधिकरण का कोई अन्य अधिकारी सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग और गबन में शामिल नहीं पाया गया है।

कोर्ट ने ये भी कहा था अतिरिक्त मुआवजा पाने वाले किसी भी किसान के साथ प्राधिकरण कोई जोर जबरदस्ती नहीं कर सकता। न ही भविष्य में होने वाली एफआईआर में उनके नाम शामिल कर सकता है।

पुरानी टीम ने 180 पेज की सौंपी थी रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण मामले में पुरानी एसआईटी की टीम ने 180 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में तीन अधिकारियों ने मिलकर प्राधिकरण को करीब 117 करोड़ 56 लाख 95 हजार 40 करोड़ रुपए राजस्व का नुकसान पहुंचाया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एसआईटी ने नोएडा प्राधिकरण में 1 अप्रैल 2009 से 2023 तक कुल 15 सालों के मुआवजा वितरण संबंधित कुल 1198 फाइलों को खंगाला। जिसमें कुल 20 मामलों में अनियमितता मिली। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में शुरूआत में 12 और बाद में 8 नए प्रकरण सामने आए थे।

सपा नोएडा महानगर संगठन ने चोटपुर कॉलोनी सेक्टर 63 में किया पी डी ए पंचायत का आयोजन.....

साँई मीडिया ब्यूरो

नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में चोटपुर कॉलोनी सेक्टर 63 में पी डी ए पंचायत का आयोजन किया गया। चोटपुर कॉलोनी के लोगों ने अपनी समस्याएं सपा महानगर संगठन के नेताओं के समक्ष रखा। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि वर्तमान विधायक व सांसद चोटपुर कॉलोनी के लोगों को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल करते हैं।

कॉलोनी में ना तो सड़क है , और ना ही नाला व सीवर ,बिजली के लिए सभी लोग परेशान है। प्रत्येक चुनाव में इनसे वादा किया

जाता है लेकिन चुनाव जीतने के साथ ही प्रतिनिधि उनको भूल जाते हैं। महानगर महासचिव विकास यादव ने यथासंभव समस्या के समाधान की बात कही है। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष नौशाद आलम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में शालिनी खारी ,सतवीर यादव ,बबली शर्मा, विमल अच्छे मियां, गुलजार अल्वी,मोहम्मद चांद आलम, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद वकील,रेहान ,राकेश यादव, यूसुफ, मोहम्मद शरीफ,सूछीरा, आजाद,विधायक, मिंटू,अन्ना हजारे, सटस सिन्हा, विपिन, नदीम,बसीर,वीर बहादुर, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

दबंगों ने युवकों का अपहरण कर की मारपीट

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा-2 क्षेत्र में होली के दौरान दो पक्षों में विवाद हुआ, जिसमें एक पक्ष के दबंगों ने चार युवकों का अपहरण कर मुर्शदपुर गांव ले जाकर मारपीट की. शाम को उन्हें छोड़ दिया गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य की तलाश जारी है.

ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र में होली के मौके पर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया. इसके बाद एक पक्ष के दबंगों ने दूसरे पक्ष के चार युवकों का अपहरण कर उन्हें अपने गांव ले जाकर बुरी तरह पीटा. शाम को उन्हें उनके गांव छोड़ दिया गया, जिसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई।

दरअसल, मकोड़ा गांव निवासी नितिन भाटी ने थाना बीटा-2 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मार्च को उनके भाई और चाचा के लड़के सुमित भाटी, दीपक और गौरव साकीपुर गांव में होली खेलने गए थे. जब वे होली खेलकर लौट रहे थे और रामपुर सर्विस रोड पर पहुंचे, तभी तीन गाड़ियों में सवार मुर्शदपुर गांव के दबंगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी।

इसके बाद आरोपियों ने युवकों को जबरन गाड़ी में डाल लिया और उनकी गाड़ी को भी खुद चलाकर अपने गांव मुर्शदपुर ले गए. पीड़ितों के अनुसार, मुर्शदपुर गांव में आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट की और घंटों तक बंधक बनाए रखा. शाम को उन्हें उनके गांव के बाहर छोड़कर आरोपी फरार हो गए. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मामला और तूल पकड़ने लगा।

शिकायत के आधार पर थाना बीटा-2 पुलिस ने मुर्शदपुर निवासी शेंकी उर्फ यशवीर, गुल्लू उर्फ यश, गुड्डू समेत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि दोनों पक्ष पहले से परिचित थे और शराब के नशे में झगड़ा हुआ था. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वहीं, गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने जानकारी दी कि 14 मार्च को थाना बीटा 2 क्षेत्र में दो पक्षों के बीच शराब के नशे में मारपीट हो गई थी. दोनों पक्ष पहले से एक दूसरे को जानते थे. थाना बीटा 2 पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का काम फिरलटका

नोएडा। सेक्टर-151ए में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का काम फिर रूक गया है। जमीन अधिग्रहण नहीं होने पर काम को रोका गया है। इससे पहले भी कई बार इसी वजह से काम रोका गया था। बताया जा रहा है कि नोएडा अथॉरिटी जिला प्रशासन के जरिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया करा रही है। किसानों से जमीन के दाम को लेकर कुछ विवाद चल रहा था। किसान मौजूदा समय के रेट से मुआवजा मांग रहे हैं। जबकि प्रशासन ऐसा नहीं कर रहा है। ऐसे में 2025 में भी गोल्फ कोर्स शुरू का होना मुश्किल है।

नोएडा के सेक्टर-151ए में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के लिए अथॉरिटी अभी पूरी जमीन का अधिग्रहण नहीं कर पाया है। अथॉरिटी जिला प्रशासन के माध्यम से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया करा रहा है। ऐसे में इस योजना को पूरा होने में समय लगेगा। इस प्रक्रिया में करीब छह माह का समय लग सकता है। अभी तक इसका करीब 68 फीसदी काम पूरा हो चुका है। हालांकि अथॉरिटी का कहना है कि जिस क्षेत्र में जमीन नहीं मिली है, उसे छोड़कर बाकी काम पूरा किया जा रहा है। इसके लिए कंपनी को दो किस्तें दी जा चुकी हैं।

जुलाई 2021 में गोल्फ कोर्स का काम शुरू हुआ था। उस समय अथॉरिटी के अधिकारियों ने दावा किया था कि डेढ़ साल में 2022 के अंत तक इसे पूरा कर लिया जाएगा, लेकिन अभी तक इसका 32 फीसदी से ज्यादा काम अधूरा

है। इसकी वजह यह है कि पहले ठेकेदार ने पिछले साल कई महीनों तक काम बंद रखा था। इसके अलावा अथॉरिटी इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी जमीन लेने में असफल साबित हो रहा है। कई बार प्रक्रिया करने के बाद भी अथॉरिटी किसानों से आपसी सहमति से जमीन नहीं ले पाया हैइस प्रोजेक्ट के लिए कामबख्शपुर गांव की करीब ढाई हेक्टेयर जमीन ली जानी है। इस जमीन पर गोल्फ कोर्स का मैदान और अन्य चीजों का निर्माण होना है। नोटिस देने के बाद भी काम की गति नहीं बढ़ी। वर्ष 2024 में गोल्फ कोर्स का काम बेहद धीमी गति से चला। निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण काम में तेजी नहीं आ सकी। अथॉरिटी ने एजेंसी को दो-तीन बार नोटिस भी जारी किया। इसके बावजूद अभी तक काम में तेजी नहीं आई है।

इसके लिए नोएडा अथॉरिटी ने निर्माण कंपनी को दो किस्तें जारी कर दी हैं। पहली किस्त 25 लाख रुपए और दूसरी किस्त 47 लाख रुपए कंपनी को जारी कर दी गई है। इसके अलावा जल्द ही लोगों के लिए फिर से सदस्यता खोल दी जाएगी। गोल्फ कोर्स की सदस्यता 10 लाख रुपए है। इसे तीन किस्तों में जमा किया जा सकता है। काम अधूरा होने के चलते लोग सदस्या लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। बता दें कि जुलाई 2021 में इस परियोजना की शुरूआत हुई थी। इसका 68 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसका निर्माण जून 2025 में पूरा होना है। जमीन न मिलने के कारण योजना में करीब 11 करोड़ रुपये का अंतर आ गया था। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो गई है। इसमें 107 करोड़ से सिविल कार्य होगा। 20 करोड़ से विद्युत कार्य और 12 करोड़ की लागत से बागवानी कार्य किया जाएगा। योजना का कुल क्षेत्रफल करीब 113.87 एकड़ है।

गालों में रंग गुलाल है लगा रहे सभी :.होली मिलन समारोह एवं काव्य संध्या संपन्न

साँई मीडिया ब्यूरो

नोएडा। संस्कार भारती गौतमबुद्ध नगर व आर डब्ल्यू ए सेक्टर 52 के संयुक्त तत्वावधान में 15/3/2025 को होली मिलन व भरत मुनि जयन्ती के उपलक्ष्य में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ , सुश्री अर्चना सिंह द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से हुआ । तत्पश्चात इकाई के अध्यक्ष जय प्रकाश रावत ने संस्कार भारती का ध्येय गीत पढ़ा। कार्यक्रम की अध्यक्षता हास्य कवि बाबा कानपुरी ने की तथा संचालन ओज व व्यंग्य कवि डॉ. अटल मुरादाबादी ने किया।

मुख्य अतिथि की भूमिका

निभाई ,मेरठ से पधारे संस्कार भारती के पर्यवेक्षक श्री शील वर्धन ने । विशिष्ट अतिथि के रूप में जनवादी कवि पं साहित्य कुमार चंचल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में दिल्ली, नोएडा व एन सी आर से सम्मिलित हुए कवि व कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से सभी सुधि श्रोताओं का मन मोह लिया।

कवि सम्मेलन में हास्य कवि बाबा कानपुरी,डॉ. अटल मुरादाबादी , जय प्रकाश रावत, डॉ नेहा इलाहाबादी, पं साहित्य चंचल, राम लखन पटेल, श्रीचंद भँवर, विनोद तोमर , कर्नल प्रवीण त्रिपाठी, सत्यार्थ दीक्षित, सतीश दीक्षित, सुमित अग्रवाल , सुश्री सुधा शर्मा, सुश्री नेहा जैन, सुश्री अर्चना सिंह, सुश्री स्वाति शर्मा ने कविताओं के विभिन्न रंग बिखेरे और श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

कवि सम्मेलन में सेक्टर 52 आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष र?घुनाथ, अशोक शर्मा महासचिव , कोषाध्यक्ष-मनोहर लाड के अतिरिक्त सेक्टर के गणमान्य व्यक्ति- पूर्व अध्यक्ष अमरीश त्यागी, अरोड़ा , ओमप्रकाश, ललित महाजन, योग गुरु जगमोहन राजपूत, उदय वीर ,आजाद सिंह, बी के श्रीवास्तव आदि सम्मिलित हुए तथा नोएडा के विभिन्न सेक्टरों के श्रोतागण उपस्थित रहे।

होशियारपुर गाँव से सेवानिवृत्त नब्बू सिंह दरोगा अपने साथियों के साथ सम्मिलित हुए।

नवरत्न फांउडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई।

समाजसेवी हर विलास वर्मा ने सभी को मीठी गुजिया व जगन्नाथ का प्रसाद वितरित कर पुण्य का लाभ कमाया।

कवि सम्मेलन में सम्मिलित संस्था के संरक्षक एस पी गौड़ ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

माह के अंतिम रविवार को भी खुलेंगे निबन्धन कार्यालय

साँई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर। महानिरीक्षक निबन्धन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेशों के क्रम में सहायक महानिरीक्षक निबन्धन (द्वितीय) गौतम बुद्ध नगर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष समापन एवं नवरात्रि के त्योहार के कारण व उपलब्ध कार्यदिवस अपर्याप्त होने के दृष्टिगत माह मार्च-2025 में आम जनमानस को विलेख पंजीकरण का अधिकाधिक अवसर व सुविधा प्रदान किए जाने हेतु माह मार्च-2025 में सभी कार्य दिवस में उप निबन्धक कार्यालयों में निबन्धन कार्य सायं 06 बजे तक सम्पादित किए जायेंगे एवं माह मार्च-2025 के अंतिम रविवार को समस्त उप निबन्धक कार्यालय सामान्य कार्यदिवस की भांति खुले रहेंगे।

गौतमबुद्ध नगर भाजपा को नया नेतृत्व, अभिषेक शर्मा बने जिला अध्यक्ष, कार्यकताओं में उत्साह

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर भाजपा संगठन में बड़ा बदलाव हुआ है। पार्टी ने अभिषेक शर्मा को नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है, जिससे कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। भाजपा समर्थकों ने जगह-जगह जश्न मनाकर इस फैसले का स्वागत किया। वही महेश चौहान नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष बने हैं।

तीन पीढ़ियों की विरासत संभालेंगे अभिषेक शर्मा

अभिषेक शर्मा का परिवार तीन पीढ़ियों से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा रहा है। उनके दादा संघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रहे, जबकि पिता भाजपा में नगर मंत्री रह चुके हैं। अभिषेक स्वयं पश्चिमी यूपी के प्रदेश अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया की टीम में जिला मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

गाजे-बाजे के साथ हुआ स्वागत

उनकी नियुक्ति के बाद भाजपा कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया। जगह-जगह मिष्ठान वितरण और अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

भाजपा नेताओं ने दी शुभकामनाएं

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बधाई देते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में गौतमबुद्ध नगर में भाजपा संगठन और मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका अनुभव और संगठनात्मक क्षमता पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए समीक्षा मीटिंग आयोजित

साँई मीडिया ब्यूरो

नोएडा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के सभी 14 किसान संगठनों के नेताओं ने दनकौर के डूंगरपुर-रीलका गांव स्थित किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर 19 मार्च को जीरो प्वाइंट पर होने वाली विशाल किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए समीक्षा मीटिंग कर 10% प्लॉट एवं नए कानून के सभी तय कराने के लिए आर पार के आन्दोलन की घोषणा की।

संयुक्त किसान मोर्चा एस.के.एम. के सभी घटक किसान संगठनों के नेताओं ने 16 मार्च 2025 को ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र स्थित डूंगरपुर-रीलका गांव में किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर 19 मार्च 2025 को यमुना एक्सप्रेस वे के जीरो प्वाइंट पर होने वाली विशाल किसान महापंचायत की तैयारियों की समीक्षा मीटिंग की जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा के सभी घटक किसान संगठनों भाकियू टिकैत, भाकियू महात्मा टिकैत, भाकियू मंच, भाकियू भानु, भाकियू अजगर, भाकियू कृषक शक्ति, भाकियू सम्पूर्ण भारत, भाकियू अखण्ड, भाकियू एकता, किसान एकता महासंघ , किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा, किसान बेरोजगार सभा और जय जवान जय किसान मोर्चा आदि सभी 14 संगठनों के निर्णायक मण्डल ने भाग लिया। सभी संगठनों द्वारा बड़ी संख्या में भूमिधर एवं भूमिहीन किसानों , महिलाओं और युवाओं को महापंचायत में लाने की घोषणा की गई। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से जारी बयान में पुराने 1894 के कानून के तहत जमीन लिए जाने से प्रभावित जनपद की सभी परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को एक समान नीति के तहत 10% प्लॉट एवं 64.7% प्रतिकर आदि के लाभ दिए जाने तथा 1 जनवरी 2014 से देश में नया भूमि अधिकरण कानून लागू होने के बाद जमीन दिए जाने से प्रभावित सभी किसानों को बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20% प्लॉट एवं सभी भूमिधर और भूमिहीन किसानों को रोजगार एवं पुनर्वास आदि के सभी लाभ दिए जाने तथा साथ ही आबादियों का निस्तारण किए जाने की मांग को लेकर आर-पार के आंदोलन की घोषणा की। महापंचायत में नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना विकास प्राधिकरण के अलावा ठळढउ, वढरकऊअ की शिवनाडार फाउंडेशन, अंबुजा बिरला सीमेंट फाउंडेशन तथा ऐक्षर आदि परियोजनाओं तथा ठळ्अक की ईस्टर्न पेरीफेरल, दादरी बाईपास, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे आदि योजनाओं, जेवर एयरपोर्ट, रेलवे की डीएफसीसी, डीएमआईसी परियोजनाओं और अंसल बिल्डर हाईटेक वेव सिटी बिल्डर, जे पी बिल्डर और सेतु निगम तथा बिजली पानी आदि परियोजनाओं से प्रभावित सभी किसानों को उक्त सभी लाभ दिलाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा आर पार का आन्दोलन 19 मार्च 2025 को फिर से शुरू करेगा।

आज हुई पंचायत की अध्यक्षता राजे प्रधान द्वारा तथा संचालन मोर्चा के संयोजक सुनील फौजी एडवोकेट द्वारा किया गया।

क्षत्रिय एकता का दिखा जुनून : करणी सेना ने किया भव्य होली मिलन समारोह

साँई मीडिया ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर डेल्टा-1 स्थित सामुदायिक भवन में श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह के निर्देशन में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक स्व. लोकेंद्र सिंह कालवी की पुण्यतिथि भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने फूलों की होली खेली और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

महाराणा प्रताप जयंती पर होगा भव्य आयोजन

प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह ने समाज को एकजुट और जागरूक रहने का आान किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से क्षत्रिय समाज की उपेक्षा हो रही है, जिसे लेकर अब समाज को संगठित होने की जरूरत है। उन्होंने 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती पर गौतम बुद्ध नगर में राष्ट्रीय स्तर के भव्य आयोजन की घोषणा की। इस कार्यक्रम में डब्ल्यूडब्ल्यूई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और राजा भैया जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसकी तैयारियां बड़े स्तर पर शुरू कर दी गई हैं।

क्षत्रिय समाज को एकजुट होने का संदेश

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी आनंद वर्धन सिंह चंदेल ने क्षत्रिय समाज की एकता पर बल दिया और समाज को अपनी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महासचिव डॉ. सतेंद्र चौहान और जिला अध्यक्ष अमरीश चौहान ने किया। इस अवसर पर ठाकुर आलोक सिंह, व्यापारी कृष्ण कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपालदेव रावल, बबलू रावल, जिला उपाध्यक्ष राम अवतार सोलंकी, अनूप सिंह राठौड़, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी दलवीर सिंह शिशोदिया, वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष चौहान, भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यभान चौहान, डॉ. हरि सिंह शेखावत, कवयित्री अंजली शिशोदिया, भाजपा नेता ज्योति सिंह, विनोद भाटी, विक्रम भाटी, पवन भाटी मकनपुर समेत सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गौतमबुद्ध नगर में आम आदमी पार्टी का श्रमदान अभियान

संजय सिंह ने कहा - नाकाम सरकारें सिर्फ दिखावा करती हैं

साँई मीडिया ब्यूरो

नोएडा। स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-8, मस्जिद के पास भव्य श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया। राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने खुद झाड़ू उठाकर श्रमदान किया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उनके साथ तिमारपुर के पूर्व विधायक दिलीप पांडेय और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी अभियान में शामिल हुए।

सरकार पर संजय सिंह का वार झ घोषणाओं तक सीमित रह गई सफाई व्यवस्था

सांसद संजय सिंह ने सरकार और प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित है। उन्होंने कहा, सरकारें केवल घोषणाएं करती हैं, लेकिन जब काम करने की बारी आती है, तो यह सिर्फ दिखावा करती हैं। प्रशासन को हर दिन सफाई करनी चाहिए, लेकिन यह तभी सक्रिय होता है जब हम श्रमदान के लिए पहुंचते हैं। आम आदमी पार्टी सिर्फ भाषण नहीं देती, बल्कि जमीन पर उतरकर जनता के लिए काम करती है।

प्रशासन की नाकामी पर पूर्व विधायक दिलीप पांडेय ने उठाए सवाल

पूर्व विधायक दिलीप पांडेय ने सफाई अभियान में भाग लेते हुए प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया। उन्होंने कहा, जो प्रशासन हर दिन सफाई करने में असमर्थ है, वह सिर्फ हमारे आने की खबर सुनकर घबराहट में सफाई शुरू कर देता है, लेकिन उसे अधूरा छोड़ देता है। जनता को समझना होगा कि यह सिर्फ एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली मुहिम है।

श्रमदान सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि आंदोलन झ जिलाध्यक्ष राकेश अवाना

गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा, श्रमदान केवल सफाई अभियान नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। अगर संकल्प मजबूत हो, तो किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। आम आदमी पार्टी हमेशा जनता के साथ खड़ी है और इस स्वच्छता अभियान को लगातार आगे बढ़ाएगी।

युवाओं को सोशल मीडिया से निकलकर जमीन पर आना होगा झ पंकज अवाना

युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने युवाओं को इस अभियान से जुड़ने का आान किया। उन्होंने कहा, युवाओं को केवल सोशल मीडिया पर बहस करने के बजाय जमीन पर आकर बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए। यह श्रमदान कार्यक्रम समाज को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण जरिया है।

व्यापारियों से स्वच्छता में भागीदारी की अपील

व्यापार प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष छवि यादव ने कहा कि व्यापारिक समुदाय को भी स्वच्छता में अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा, स्वच्छ परिवेश से न केवल व्यापार बढ़ता है, बल्कि समाज भी स्वस्थ रहता है।

राष्ट्रीय गान के साथ हुआ समापन

श्रमदान कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने राष्ट्रीय गान गाया, जिससे माहौल में राष्ट्रप्रेम और सामूहिक प्रयास की भावना जागृत हुई। स्थानीय निवासियों ने आम आदमी पार्टी की इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात : राजकोट की 12 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, तीन की मौत

राजकोट, एजेंसी। गुजरात के राजकोट शहर में 12 मंजिला एक इमारत में भीषण आग लग गई. हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया. इस बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एक 12 मंजिला आवासीय बिल्डिंग में आग लग गई. आग इतनी तेज थी कि उसकी लपटें दूर से दिखाई दे रहीं थीं. 150 फुट रिंग रोड क्षेत्र में हुई में इस घटना आग लगने से बिल्डिंग में फंसे करीब 40 लोगों को बचा लिया गया. घटना के बारे में सहायक पुलिस आयुक्त बी.जे. चौधरी ने कहा कि सुबह लगभग साढ़े नौ बजे अटलांटिस अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर एक फ्लैट में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई. इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारी ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है. उन्होंने बताया कि मृतकों में से दो की पहचान कल्पेश लेउवा और मयूर लेउवा के रूप में की गई है. तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है. उन्होंने बताया कि मृतकों में से दो लोग बाहर के थे और किसी काम की वजह से बिल्डिंग में आए थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने ऊपरी मंजिलों पर फंसे करीब 40 लोगों को बचा लिया है. इनमें से पांच लोगों को दमकल विभाग की 'हाइड्रोलिक क्रेन' की मदद से नीचे उतारा गया. मामले की जांच की जा रही है.

मुंबई में होली के दौरान ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, 1.79 करोड़ के 17,495 चालान जारी

मुंबई , एजेंसी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने होली और होलिका दहन के मौके पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। 13 और 14 मार्च को दो दिनों तक चले इस अभियान में 17,495 चालान जारी किए गए। कुल वसूली 1 करोड़ 79 लाख 79 हजार 250 रुपए रही। त्योहार के दौरान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने शहर के प्रमुख स्थानों पर नाकाबंदी की और नियम तोड़ने वालों पर सख्ती बरती। मुंबई पुलिस ने होली से पहले लोगों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। चेतावनी दी गई थी कि नियमों का पालन न करने पर महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। इस अभियान में उन इलाकों पर खास नजर रखी गई, जहां ट्रैफिक नियम तोड़े जाने की आशंका थी। शराब पीकर गाड़ी चलाने, तेज रफ्तार, बिना हेलमेट बाइक चलाने, तीन सवारी ले जाने और सिग्नल तोड़ने जैसे उल्लंघनों पर विशेष ध्यान दिया गया। दो दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने उल्लंघन के कई मामले पकड़े। बिना हेलमेट बाइक चलाने के 4,949 मामले सामने आए, जबकि शराब पीकर वाहन चलाने के 183 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

संजय राउत ने भाजपा सरकार की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से की

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सियासी तापमान एक बार फिर बढ़ गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भाजपा सरकार की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से करते हुए कहा कि मौजूदा शासन उससे भी बदतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों के चलते राज्य में किसान, बेरोजगार और महिलाएं आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान राउत ने कहा, औरंगजेब को मरे 400 साल हो गए। उसे भूल जाइए। महाराष्ट्र में किसान और आम लोग औरंगजेब की वजह से आत्महत्या नहीं कर रहे, बल्कि भाजपा सरकार की वजह से कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर मुगल शासक ने अत्याचार किए थे, तो आज की सरकार क्या कर रही है? संजय राउत का यह बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी लोग चाहते हैं कि छत्रपति संभाजीनगर में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटा दिया जाए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2025

उपभोक्ता अधिकार आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए युवाओं की आवश्यकता- आरजेएस पीबीएच वेबिनार

साईं मीडिया ब्यूरो

नई दिल्ली।अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च 2025 के अवसर पर रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत का उपभोक्ता अधिकार आंदोलन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और इसकी जीवन शक्ति और प्रभावशीलता को पुनः प्राप्त करने के लिए युवा समर्थकों की एक नई लहर की आवश्यकता है। राम-जानकी संस्थान पॉजिटिव ब्रॉडकास्टिंग हाउस (आरजेएस पीबीएस) आरजेएस पॉजिटिव मीडिया के संस्थापक व राष्ट्रीय संयोजक उदय कुमार मन्ना द्वारा आयोजित व संचालित इस 332 वें कार्यक्रम में, उपभोक्ता अधिकार आंदोलन में ख्याति प्राप्त स्व०किशन सिंह परमार और धर्मपत्नी स्व० मोहिनी परमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

आरजेएस पीबीएच के कार्यक्रमों से जुड़कर स्व० किशन सिंह परमार बेबाकी से अपने विचार रखते थे।

सदस्य स्टेट कंज्यूमर कमीशन राजस्थान और नेशनल प्रेसिडेंट कंज्यूमर कोऑर्डिनेशन काउंसिल लियाकत अली ने स्व०किशन सिंह परमार की उपभोक्ता आंदोलन की विरासत को सम्मानित करते हुए कहा कि उपभोक्ता आयोग में संसाधनों की भारी कमी है। उन्होंने धोखाधड़ी, व्यापक डिजिटल निरक्षरता और लगातार खाद्य मिलावट की समस्याओं पर भी प्रकाश डाला और जागरूक किया।।

श्री अली ने बाजार में नेविगेट करने में उपभोक्ता

जिम्मेदारी और सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मूल्य निर्धारण के संबंध में कहा कि अधिकतम खुदरा मूल्य (टप्ढ) सभी करों सहित है, और खुदरा विक्रेता मुद्रित टप्ढ के ऊपर माल और सेवा कर या कोई अन्य कर कानूनी रूप से नहीं लगा सकते हैं।

डिग्निटी रेस्टोरेशन और ग्रीवेंस सेटलमेंट एसोसिएशन , नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार, जो स्व०किशन परमार के करीबी सहयोगी थे, ने उपभोक्ता जागरूकता की चिंताजनक वास्तविकता को रेखांकित किया। डॉ.अरूण कुमार ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा, "हमारे देश में अस्सी प्रतिशत लोग... उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने का तरीका नहीं जानते हैं," खरीद के लिए रसीदें प्राप्त न करने की आम प्रथा और ऑनलाइन शिकायत प्रणालियों को नेविगेट करने की जटिलता जैसे कारकों को बताया।

डॉ. कुमार ने उपभोक्ता अदालतों के भीतर न्याय की पीड़ादायक धीमी गति पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने विवाद समाधान के लिए कुशल और उपभोक्ता-अनुकूल दृष्टिकोण के लिए दुबई के "उपभोक्ता खुशी केंद्रों" की सराहना की, और भारत के लिए एक समान सरलीकृत प्रणाली का सुझाव दिया।

यूपी कंज्यूमर वेलफेयर काउंसिल के समन्वयक एडवोकेट जोहेब रसूल ने भी स्व० किशन सिंह परमार को श्रद्धांजलि अर्पित की, उपभोक्ता अधिकार आंदोलन पर उनके गहरे प्रभाव को स्वीकार किया। एडवोकेट रसूल ने कानूनी पेशे के बारे में ज्ञान की कमी पर एक महत्वपूर्ण चिंता जताई।

एडवोकेट रसूल ने अनुबंधों और नीतियों और बीमा शर्तों की ओर उपभोक्ता ध्यान नहीं देते जिससे उन्हें नुकसान होता है।।

श्री अली ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि "कच्चे बिल" या अनौपचारिक रसीदें भी उपभोक्ता शिकायतें दर्ज करने के लिए वैध दस्तावेज हैं, जिससे औपचारिक चालान के बिना भी निवारण चाहने के लिए सशक्त बनाया गया है। उन्होंने व्यवसायों की जीएसटी पंजीकरण स्थिति की जांच के लिए उपलब्ध ऑनलाइन सत्यापन प्रणाली के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित किया, जिससे उन्हें धोखाधड़ी कर संग्रह के उदाहरणों की पहचान करने और रिपोर्ट करने में सक्षम बनाया गया।

कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, दीप माथुर ,डा. प्रदीप कुमार जोशी , सुरजीत सिंह दीदेवार,राजेंद्र सिंह कुशवाहा, बिन्दा मन्ना ,सुदीप साहू, सोनू कुमार, मयंक, आकांक्षा , इशहाक खान, दुर्गादास आजाद अनिल चौधरी आदि शामिल हुए।

विशेषज्ञों ने सौहार्दपूर्ण समाधान को प्राथमिकता देने और बेहतर निमार्ता-उपभोक्ता संबंधों को बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने सुझाव दिया कि खुले संवाद और आपसी समझ अक्सर औपचारिक कानूनी कार्यवाही का सहारा लेने की तुलना में शिकायतों को अधिक प्रभावी ढंग से और कुशलता से हल कर सकती है।

टीचर ने कराई 300 उठक-बैठक, छात्र की हो गई मौत; हाई कोर्ट ने 1 लाख रुपये मुआवजे का दिया आदेश

भुवनेश्वर, एजेंसी।
ओडिशा के एक स्कूल में 300 उठक-बैठक करने के दौरान एक छात्र की मौत हो गई। हाई कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए टीचर को मृतक के परिवार को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हालांकि, अदालत ने कहा कि अनुशासन बनाए रखने के मकसद से छात्र को दी गई शारीरिक सजा जुवेनाइल जस्टिस केयर एंड प्रोटेक्शन एक्ट 2015 के तहत अपराध नहीं मानी जा सकती। सुंदरगढ़ जिले के बोनाईगढ़ स्थित आरडीडी हाई स्कूल का यह मामला है। एनसीसी प्रभारी शिक्षक रमेश चंद्र सेठी ने नवंबर 2019 में छात्र से 300 सिट-अप्स कराए थे, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद कई सारे सवाल खड़े हुए थे।

जस्टिस शिबो शंकर मिश्रा की एकल पीठ ने कहा कि यह मुआवजा दोष स्वीकार करना नहीं है, बल्कि शोक संतप्त परिवार को राहत देने का प्रयास है। अदालत ने कहा, एक युवा ने अपना जीवन खो दिया। कोई भी मुआवजा इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। इस मामले में मेडिकल रिपोर्ट टीचर की सीधी दोषसिद्धि को नकारती है। यह राज्य का कर्तव्य है कि सरकारी स्कूलों और छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को उचित चिकित्सा सहायता और सुरक्षित वातावरण मिले। दुनिया भर के आधुनिक देशों ने माना है कि बच्चे के अस्तित्व की कीमत उसकी मृत्यु के बाद मिले मुआवजे के आर्थिक मूल्य से कहीं अधिक है। माता-पिता को दी गई राशि उन्हें मृत बच्चे के प्यार, समर्पण, देखभाल और नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में दी जाती है। ओडिशा हाई कोर्ट ने टीचर रमेश चंद्र सेठी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया। इसमें छात्र को शारीरिक सजा देने का आरोप लगाया गया था, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। इससे पहले, 4 मार्च 2025 को जस्टिस शिबो शंकर मिश्रा के फैसले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत आवेदन पर विचार किया गया था।

14 किलो सोने की तस्करी केस में स्पेशल कोर्ट ने ठुकराई जमानत

बेंगलुरु, एजेंसी।कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव का नाम इन दिनों कर्नाटक की सियासत में भूचाल लाने वाला साबित हो रहा है। 14 किलो सोना की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार रान्या राव इस वक्त न्यायिक हिरासत में हैं। राव की जमानत के लिए अर्जी लगाई गई थी, जिसे स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दिया है। 3 मार्च को जब रान्या राव दुबई से बेंगलुरु के केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची, तो उन्होंने वीआईपी प्रोटोकॉल के तहत ग्रीन चैनल से निकलने की कोशिश की। यह रास्ता उन यात्रियों के लिए होता है जिन्हें घोषित करने के लिए कुछ नहीं होता। लेकिन इसी दौरान मेटल डिटेक्टर से जांच में अधिकारियों को रान्या के शरीर पर कुछ संदिग्ध सामान छुपा होने का संकेत मिला। जब अधिकारियों ने जांच की तो पाया कि रान्या ने अपनी कमर और पैरों पर बैंडेज और टिशू की मदद से सोने के बिस्कुट लपेट रखे थे। इसके अलावा, उनके जूतों और जैकेट की जेबों में भी सोने के टुकड़े छिपाए गए थे। जांच में पता चला कि बरामद सोना 24 कैरेट का था और इसका वजन 14.2 किलोग्राम था, जिसकी कीमत करीब 12.56 करोड़ रुपए बताई गई है।

सांकरा के प्रमोद व सचिन ने पुलिस परीक्षा में सफलता पाई गांव में खुशी का माहौल

अलीगढ़ : दादों क्षेत्र के कस्बा सांकरा में दो लड़को ने पुलिस परीक्षा में सफलता पाई प्रमोद कुमार यादव पुत्र चरन सिंह तथा सचिन कुमार यादव पुत्र रमेश चंद्र ने अपनी प्रतिभा और और मेहनत के दम पर पुलिस की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है जिस गांव में खुशी का माहौल है लोग उनके माता-पिता को बधाई दे रहे हैं यह दोनों श्री कृष्ण इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किए हैं प्रधानाचार्य अशोक यादव ने बताया कि यह दोनों प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्र थे दोनों ने बताया कि उनकी सफलता में उनके माता-पिता के साथ-साथ स्कूल के अध्यापकों और शारीरिक प्रशिक्षण रंजीत यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा प्रमोद और सचिन ने बताया हमारा श्रेय माता-पिता को जाता है क्षेत्र का नाम रोशन करना हमारा संकल्प और सपना था दृढ़ संकल्प लगन और मेहनत से हमने पढ़ाई की सभी लोग हमें आशीर्वाद दे रहे हैं हमें खुशी हो रही है और हमारे माता-पिता को महसूस हो रहा है हम क्षेत्र की जनता के आभारी रहेंगे लोगों ने जोरदार स्वागत किया साथ ही प्रधानाचार्य का आभार व्यक्त करते हुए ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का वचन दिया

कर्नाटक डिप्टी सीएम का नया आरोप -विधायक ब्लैकमेल कर रहे हैं

बेंगलुरू, एजेंसी।
कर्नाटक की राजधानी में बेंगलुरू में कूड़ा विवाद बढ़ता जा रहा है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलुरु के विधायकों पर आरोप लगाया कि वह लोग कचरा संकट को लेकर सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ये विधायक इस मामले को छिपाने और निपटान के लिए विकास निधि से करीब 800 करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। हालांकि डिप्टी सीएम ने किसी का भी नाम नहीं लिया।

विधान परिषद में कूड़े के मुद्दे पर पार्षद एम नागराजू के सवालों का जवाब देते हुए डी के शिवकुमार ने कहा कि मैंने मीडिया में कचरे की समस्या को लेकर चल रही रिपोर्ट्स को देखा है। यहां एक बड़ा माफिया काम करता है। कचरे को हटाने वाले ठेकेदारों ने एक बड़ा गिरोह बना लिया है और जो भी उनके रेट हैं उससे 85 फीसदी तक ज्यादा बोली लगाई है। हमारी सरकार इस मामले में कार्रवाई कर रही है, उनकी इन गलत हरकतों से निपटने के लिए हमने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।उन्होंने कहा कि कानूनी दांव-पेंचों की वजह से कचरा प्रबंधन की नीति को कारगर बनाने में देरी हो रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बेंगलुरू के सभी विधायकों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, हमारे बेंगलुरू के विधायक हमें ब्लैकमेल कर रहे हैं। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। मैं आपको सच्चाई बता रहा हूं। वे सभी पार्टियों से हैं। वे विकास निधि के रूप में 800 करोड़ रुपये चाहते हैं। मैं यहां उनका नाम नहीं ले सकता।'' इससे पहले डिप्टी सीएम ने अपनी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शहर के कचरा निपटान कार्य को चार पैकेजों में बांटने और कचरे को शहर से 50 किलोमीटर दूर ले जाने की योजना बनाई गई थी। लेकिन कानूनों की वजह से अभी यह पूरी तरह से ठप्प पड़ी हुई है। जहां तक इस योजना में लगे वाहनों की बात है तो वह तीन दिनों से शहर से दूर महादेवपुरा में फंसे हुए हैं।

भारत को दो नहीं बल्कि बहुत सारी भाषाओं को संरक्षित करने की जरूरत है: पवन कल्याण

चेन्नई, एजेंसी। केंद्र और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद में अब आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण भी कूद पड़े हैं। डिप्टी सीएम ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के लिए हमें एक या दो नहीं बल्कि बहुत सारी भाषाओं को संरक्षित करने की जरूरत है। इससे भारतीय लोगों के बीच में न केवल प्रेम बढ़ेगा बल्कि और भी ज्यादा एकता और समावेशिता दिखाई देगी।

कल्याण जिले के पीथापुरम शहर में जनसेना पार्टी के 12वें स्थापना दिवस समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कल्याण ने कहा, भारत को तमिल समेत कई भाषाओं की जरूरत है न कि सिर्फ दो की.. हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए.. यह देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

एनडीए के सहयोगी कल्याण की यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के आरोपों के बीच आई है। स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन भाषा अपनाने से इनकार करते हुए केंद्र पर हिंदी को थोपने का आरोप लगाया था।

कल्याण ने डीएमके का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए तमिलनाडु के नेताओं पर पाखंड करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे हिन्दी का विरोध करते हैं लेकिन पैसे कमाने के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति दे देते हैं। मुझे समझ में नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों हैं?

कब्जामुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं सबक : सीएम योगी

गोरखपुर , एजेंसी।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

गोरखपुर में होलिकोत्सव मनाने के बाद सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनी। इस दौरान करीब 200 लोगों से मलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक व्यक्ति ने दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री योगी के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए।

मोगा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, शिवसेना नेता की हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

मोगा, एजेंसी। पंजाब के मोगा में सीआईए मोगा और सीआईए मलौट की टीम ने एक संयुक्त अभियान में शिवसेना नेता मंगत राय की हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पीएस सिटी साउथ, मोगा में दर्ज एफआईआर नंबर 64/2025 के तहत हुई, जिसमें धारा 103(1), 191(3), 190 बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट लगाई गई थी।

ऑपरेशन के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें तीनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मलोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि मंगत राय की हत्या के आरोपी मोगा में छिपे हैं। इसके बाद सीआईए की टीम ने अरुण उर्फ दीपू, अरुण उर्फ सिंघा और राजवीर उर्फ लाडो को उनके ठिकानों पर घेर लिया। अरुण उर्फ दीपू और अरुण उर्फ सिंघा अंगदपुरा मोहल्ला के रहने वाले हैं, जबकि राजवीर उर्फ लाडो वेदांत नगर का निवासी है। जब पुलिस ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने 0.32 बोर की पिस्तौल से दो और 0.30 बोर की पिस्तौल से तीन गोलियां चलाई।

प्रेसवार्ता में बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकराया, डर से झुक गए राष्ट्रपति बंद कर ली आंखें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में हैं। इस बार उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में एक रिपोर्टर के साथ एक अजीब घटना घटी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी एक रिपोर्टर का बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकरा गया। इस पर ट्रंप की त्वरित प्रतिक्रिया हुई और वह अनजाने में पीछे झुक गए और अपनी आँखें बंद कर लीं। ट्रंप ने इस घटना को हंसी में टालने की कोशिश की, लेकिन उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह बूम माइक ऑपरेटर उस समय किस मीडिया आउटलेट के लिए काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रंप गाजा बंधक स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। तभी माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे पर लगा, जिससे उनके चेहरे पर झुंझलाहट पैदा हो गई। बूम माइक्रोफोन को डेड कैट या विंड मफ्स भी कहा जाता है क्योंकि यह सिंथेटिक फर कवर से ढका होता है। ये फर माइक्रोफोन में हवा को प्रवेश करने से रोकने में इस्तेमाल किया जाता है जिससे रिकॉर्ड होने वाली हवा की आवाज़ कम हो जाती है। सामान्यत: संयुक्त बेस एंड्रयूज या किसी अन्य ऐसे प्रतिष्ठान में प्रेस के साथ बातचीत के दौरान जहां एयर फोर्स वन और मरीन वन द्वारा उत्पन्न शोर को खत्म करना जरुरी होता है, बूम माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है। इस घटना के बाद कई लोगों ने शक जताया कि कोई हानिकारक केमिकल माइक पर लगाकर ट्रंप तक पहुंचाने की कोशिश की गई। एक यूजर ने लिखा कि हमें पता नहीं कि उसके माइक्रोफोन में कोई पदार्थ डाला गया था या नहीं। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप के डॉक्टर के जरिए जांच की जाएगी। एक यूजर ने लिखा कि अगर ट्रंप को कुछ हो जाता है तो मैं माइक्रोफोन को दोष दूंगा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि उस माइक पर जहर या किसी तरह का जैविक वायरल हो सकता है। इस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

8 अमेरिकी राज्यों में 40 बवंडर, 34 मौतें

-10 करोड़ लोग प्रभावित, 2 लाख घरों में ब्लैक आउट

वॉशिंगटन। अमेरिका में अलबामा, मिसीसिपी, लुसियाना, इंडियाना, अरकंसास, मिसौरी, इलिनॉय और टेनेसी राज्य टॉरनेडो (बवंडर) की चपेट में हैं। इन राज्यों में अब तक 40 टॉरनेडो आ चुके हैं। मौसम विभाग ने हालात और ज्यादा गंभीर होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार और रविवार को अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मिसौरी में सबसे ज्यादा 12 मौतें हुई हैं। 10 करोड़ अमेरिकी आबादी प्रभावित है। 2 लाख घरों में बिजली गुल हो गई है। कैनसस में धूलभरी आंधी के चलते हाईवे पर लगभग 50 गाडियां टकरा गई। इसमें 8 लोगों की मौत हुई। मिसिसिपी में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। 100 किमी/घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल रही है। अरकंसास में आंधी की रफ्तार 265 किमी/घंटे रिकॉर्ड की गई। इमारतें और सडकें तबाह हो गई हैं। कनाडाई बॉर्डर पर बर्फीले तूफान और गर्म इलाकों में जंगलों में आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को बड़ा झटका, चीफ बशीर जेब की हत्या

पेशावर। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को बड़ा झटका लगा है। संगठन के प्रमुख बशीर जेब की इराक में हत्या कर दी गई। यह हत्या ऐसे समय हुई जबकि बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। बीएलए प्रमुख बशीर जेब की हत्या इराक में हुई है। उन्हें उसी जगह गोली मारी गई, जहां वे छिपे हुए थे। उन्होंने इस बात अंदेशा पहले ही जताया था। दो दिन पहले जेब ने कहा था कि उन्हें बिना किसी को पता चले मार दिया जाएगा। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली और न ही हत्या क्यों की गई यह स्पष्ट हो पाया है।

कौन थे बशीर और कैसे बने बीएलए चीफ?

-2018 में बने प्रमुख- इससे पहले बीएलए की कोर कमेटी के सदस्य थे।

-बीएलए की गतिविधियां बढ़ाईं- उनके नेतृत्व में बलूचिस्तान में संगठन की सक्रियता बढ़ी।

-इंजीनियरिंग की पढ़ाई- क्वेटा के डिग्री कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

-पिता हैं डॉक्टर- बलूचिस्तान के प्रसिद्ध चिकित्सक परिवार से ताल्लुक रहा है, उनके पिता एक मशहूर डॉक्टर हैं।

बीएलए और सरकार के बीच बढ़ता संघर्ष

बीएलए पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आज़ादी के लिए लड़ने वाला संगठन है। पाकिस्तान सरकार ने इसे आतंकी संगठन घोषित कर रखा है, जबकि बीएलए इसे स्वतंत्रता संग्राम मानता है।

ट्रेन हाईजैक का वीडियो आया सामने, जगह-जगह शव और हथियार आ रहे नजर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक कर ली थी। इस ट्रेन के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें दावा किया जा रहा है कि ये वीडियोज ट्रेन के पैसेंजर्स ने रिकॉर्ड किए हैं। इनमें जगह-जगह शव और हथियार पड़े नजर आ रहे हैं। यह शव बीएलए लड़ाकों के माने जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक हाईजैक संकट करीब 36 घंटे चला था। सेना का दावा है कि सभी बलूच विद्रोही मारे गए और सभी बंधकों को छुड़ा लिया गया है। दावों के मुताबिक पूरे ऑपरेशन में पाक सेना के 28 सैनिक और 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं। वीडियोज में ट्रेन के पास पड़े शव के पास पाकिस्तानी सेना के सैनिक खड़े नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि यह सभी शव ट्रेन हाईजैक करने वाले बीएलए लड़ाकों के हैं। वीडियो से ली गई तस्वीर में ट्रेन की पटरी के पास पड़ा एक शव। वीडियो में एक पैसेंजर इस शव को अपशब्द कहता है और कुछ लोग पत्थर मारते हैं। पैसेंजर कहता है कि वह 36 घंटे से ट्रेन में फंसा है।

ट्रेन हाईजैक मामला: अपनी नाकामियों को छिपाने भारत पर दोष मढ़ रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है कि वो अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सीधे तौर पर भारत को दोषी मानता है। इसके लिए अनर्गल बातें करता है और भारत पर कीचड़ उछालता है। ट्रेन हाईजैक मामले में भी पाकिस्तान भारत पर ही ठीकरा फोड़ दिया है।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बलूचिस्तान में विद्रोहियों को मदद के पीछे भारत को मेन स्पॉन्सर बताया। उन्होंने कहा कि जफर एक्सप्रेस पर हालिया हमला इसी नीति की निरंतरता है। डीजी ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगटी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में आतंकवाद के लिए भारत पर मनगढ़ंत आरोप मढ़े।

आईएसपीआर ने कहा कि बलूचिस्तान में हालिया हमला और अतीत में हुए अन्य आतंकी घटनाएं को लेकर हम मानते हैं कि इन हमलों का मुख्य प्रायोजक आपका पूर्वी पड़ोसी (भारत) है। इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत पर इसी तरह के आरोप लगाए थे, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं और हम इन्हें खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने की जगह अपनी खुद की विफलताओं का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान राज्य के लोगों पर अत्याचार करता है। बलूच लोग खुद का एक स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं।

भारतीय मीडिया पर निकाला गुस्सा

आईएसपीआर डीजी ने बताया कि पहाड़ी इलाके में आईईडी विस्फोट के जरिए जाफर एक्सप्रेस को रोका गया। इसके अलावा वह भारतीय मीडिया पर भी भड़कते दिखे। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया आतंकियों के समर्थन में रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय मीडिया ने हमले को लेकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से फर्जी वीडियो बनाए। उन्होंने कहा कि स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आतंकी अफगानिस्तान में अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अपनी जनता की जगह पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे। उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के जरिए इंटेलिजेंस युद्ध में हैं। उन्होंने दावा किया कि आतंकी कमांडरों को अफगान जेलों से रिहा कर दिया गया। उनका यह भी दावा था कि आतंकी समूह जैसे टीटीपी और बीएलए समेत अन्य के बीच विभाजन था, लेकिन भारत ने इन्हें एकजुट कर दिया।

सुनीता विलियम्स वापसी को तैयार, आईएसएस में प्रवेश किया नासा का क्रू-10

वॉशिंगटन। नासा और स्पेसएक्स द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया क्रू-10 मिशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश कर चुका है। शुक्रवार को स्पेसएक्स ने क्रू-10 मिशन को लॉन्च किया। विलमोर और विलियम्स को आखिरकार घर लौटने की संभावना बढ़ गई। फाल्कन 9 रॉकेट में क्रू ड्रैगन कैप्सूल था। न्यूयॉर्क समय के अनुसार शाम 7 बजे फ्लोरिडा के नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ। लॉन्च के लगभग 10 मिनट बाद कैप्सूल रॉकेट के ऊपरी चरण से अलग हो गया। स्पेसएक्स ने पुष्टि की कि क्रू आईएसएस की ओर बढ़ रहे हैं। अंतरिक्ष में फंसे अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और विलमोर को वापस लाने का उद्देश्य से इस मिशन को लॉन्च किया गया है। नासा के कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय समयानुसार 16 मार्च को रात 11:30 बजे डॉकिंग का समय निर्धारित है। सुबह 10:30 बजे हैच खोला जाएगा। स्पेसफ्लाइट में रेंडेवस का मतलब होता है दो अंतरिक्ष यानों का एक कक्षा में सटीक नेविगेशन के माध्यम से मिलना। डॉकिंग तब होती है जब वे शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। क्रू-10 मिशन में डॉकिंग तब होती है जब क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से जुड़ता है। यह स्वचालित या मैन्युअल रूप से हो सकता है। एक बार सुरक्षित डॉक हो जाने के बाद अंतरिक्ष यात्री हवा की लीक की जांच करते हैं। फिर हैच खोलते हैं।

रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की बना रहा योजना, यूक्रेन भी पूरी ताकत से देगा जवाब: जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं से मुकाबला करर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन रुस एक अलग हमले के लिए अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की योजना है। हमें इसकी जानकारी है और हम पूरी ताकत से इस हमले का मुकाबला करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में अहम सफलता मिली है। रूसी सेना के मुताबिक हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर से भी कम क्षेत्र बचा है। मॉस्को ने दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के अहम शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है।

जेलेंस्की ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को कहा था कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की थी और कुछ शर्तें भी रखीं थी। शनिवार को ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने करीब 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा था कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह साफ है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। अपने बयान में जेलेंस्की ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अब स्थिर है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके जिन्होंने उसे तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमले की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन की नई लॉन्ग नेप्च्यून मिसाइल की मारक क्षमता 1000 किलोमीटर है।

ईरानी लीडर खामेनेई ने ट्रंप की बातचीत की पेशकश को बताया धोखाधड़ी

-कहा- हमें पता है वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत का क्या मतलब?

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर किसी भी तरह की बातचतीत से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भेजे गए पत्र के जवाब में खामेनेई ने बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ऐलान किया था कि उन्होंने खामेनेई को एक पत्र भेजकर न्यूक्लियर डील का प्रस्ताव दिया है।

ट्रंप ने कहा था कि ईरान को या तो सैन्य बल से या फिर एक समझौते के जरिए से ही संभाला जा सकता है। यह पत्र बुधवार को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के सलाहकार ने सौंपा था। खामेनेई ने कुछ विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करते हुए ट्रंप की बातचीत की पेशकश को धोखाधड़ी करार दिया है।

मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि जब हमें पता है कि वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत करने का क्या मतलब है? खामेनेई ने कहा कि ट्रंप प्रशासन से बातचीत करने का मतलब होगा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को और सख्त करना और देश पर दबाव बढ़ाना। बता दें 2018 में ट्रंप ने विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को वापस ले लिया था और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। खामेनेई ने साफ कर दिया है कि ईरान किसी भी तरह की धमकी के तहत बातचीत नहीं करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने तेहरान के साथ एक परमाणु समझौते के लिए दरवाजा खुला रखा है, उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल में अपनाए गए प्रेशर कैंपेन को फिर से शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग करना और इसके तेल निर्यात पर लगाम लगाए रखना है, ताकि तेल मार्केट में उसके मीडिल ईस्ट पार्टर और खुद का दबदबा कायम रहे।

डोनाल्ड ट्रंप को झटका, अदालत ने अवैध अप्रवासन पर रोक लगाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से अवैध अप्रवासन को रोकने और निर्वासन में तेजी लाने की योजना के तहत 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब शनिवार को ही ट्रंप ने इस अधिनियम का इस्तेमाल करने की घोषणा करते हुए वेनेजुएला के एक संगठन ट्रेन डे अरागुआ पर निशाना साधा था। ट्रंप ने दावा किया था कि इस संगठन के कई सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गए हैं और यह देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए इन्हें निकालना जरूरी है।

शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप के इस मामले में घोषणा करने के कुछ ही समय बाद कोलंबिया के मुख्य न्यायाधीश जेम्स ई बोसबर्ग ने ट्रंप के निर्वासन आदेश को रोकने का निर्देश जारी कर दिया। बोसबर्ग ने इस कानून के तहत 5 वेनेजुएलाई नागरिकों के निर्वासन पर रोक लगा दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बोसबर्ग ने इन नागरिकों की सुनवाई के दौरान अपनी राय रखते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अब और इंतजार कर सकता हूँ और मुझे कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इसके बाद जज ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन ने इस प्रतिबंधात्मक आदेश को चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि अगर अदालत राष्ट्रपति के किसी काम को उसकी घोषणा के पहले ही रोक देती है तो यह कार्यकारी अधिकार को कमजोर करेगा। न्याय विभाग ने कहा कि अगर अदालत अपना आदेश बरकरार रखती है तो उसे (अदालत को) राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किए गए उपायों को रोकने की शक्ति भी मिल जाएगी। इसलिए हमें इसे रोक देना चाहिए। वहीं हाल ही में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले फिलिस्तीनी छात्र महमूद खलील को निर्वासित करने के प्रयास वाले फैसले पर भी कोर्ट विचार कर रहा है। बता दें कि ट्रंप अपने चुनावी अभियान के दौरान लगातार अवैध अप्रवासियों से जुड़ा मुद्दा उठाते रहे हैं। वह लगातार अमेरिकी सीमाओं को सुरक्षित करने और अवैध रूप से देश में पहुंचे विदेशी नागरिकों को बाहर निकालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। कोर्ट के इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन की घोषणाओं को और भी अधिक कानूनी चुनौती का सामना करने की संभावना बढ़ गई है। ट्रंप द्वारा निर्वासन के लिए पहले की गई कई कार्रवाईयों पर पहले ही अमेरिकी अदालतें विचार कर रही हैं। ऐसे में एक और विरोधी फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है। निर्वासन को लेकर ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले जन्म के आधार पर नागरिकता वाले कानून पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था, कोर्ट की तरफ से इस पर विचार किया जा रहा है।

बीएलए हमले के बाद अब पाकिस्तान को दहलाने टीटीपी चलाएगा अल खंदाक अभियान

-आधुनिक हथियारों से लैस प्रशिक्षित लड़ाकों को किया तैनात

इस्लामाबार्द (एजेंसी)। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भीषण हमले के बाद अब देश के सबसे ताकतवर चरमपंथी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की घोषणा की है। टीटीपी ने इस अभियान का नाम अल-खंदाक रखा है। मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी के बयान के मुताबिक अभियान में आधुनिक हथियारों से लैस, प्रशिक्षित लड़ाकों को लक्षित हमलों, गुरिल्ला छापे, आत्मघाती और स्नाइपर हमलों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

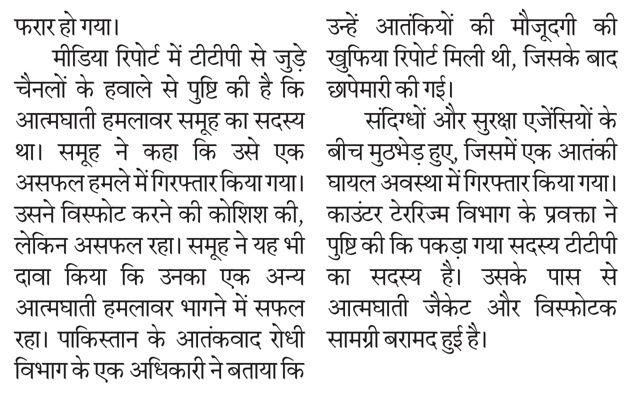

पाकिस्तान में विद्रोही समूहों की धमक पंजाब अब पंजाब में दिखाई देने लगी है। [illegible] सुरक्षाबलों ने [illegible] एक हमलावर को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को घायल कर दिया। गिरफ्तार संदिग्ध को पाकिस्तानी तालिबान का सदस्य और बलूचिस्तान का रहने वाला बताया जा रहा है। वे आत्मघाती हमले की योजना बना रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध के दूसरे साथी को पकड़ा नहीं जा सका वह फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी से जुड़े चैनलों के हवाले से पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर समूह का सदस्य था। समूह ने कहा कि उसे एक असफल हमले में गिरफ्तार किया गया। उसने विस्फोट करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। समूह ने यह भी दावा किया कि उनका एक अन्य आत्मघाती हमलावर भागने में सफल रहा। पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई।

संदिग्धों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच मुठभेड़ हुए, जिसमें एक आतंकी घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। काउंटर टेररिज्म विभाग के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पकड़ा गया सदस्य टीटीपी का सदस्य है। उसके पास से आत्मघाती जैकेट और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

तूफानी बवंडर से हिल गया अमेरिका, 27 की मौत, 10 करोड़ लोगों पर संकट

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में एक भयानक तूफान देखने को मिला है, जिसने भारी तबाही मचाई है। अमेरिका के कुछ हिस्सों में हिंसक बवंडर का खतरा जानलेवा और विनाशकारी साबित हुआ। शनिवार को मिसिसिपी वैली और डीप साउथ की ओर तेज हवाएं बढ़ीं, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई घर तबाह हो गए। मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास और ओक्लाहोमा सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं।

देश भर में चल रहे एक विशाल तूफान प्रणाली के कारण हवाएं पैदा हुईं, जिसने घातक धूल भरी आंधी और 100 से अधिक जंगल की आग को भड़काया। कनाडाई सीमा से टेक्सास तक 80 मील प्रति घंटे (130 किमी प्रति घंटे) तक की हवाएं चलने की संभावना है, जो ठंडे उत्तरी क्षेत्रों में बर्फीले मौसम और गर्म, शुष्क क्षेत्रों में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पूरे देश में 10 करोड़ लोगों पर इसका असर पड़ सकता है। ओक्लाहोमा में 130 से ज्यादा आग की घटनाएं दर्ज की गईं, जिस कारण कुछ इलाकों को खाली करने का आदेश दिया गया। ओक्लाहोमा में आग के कारण लगभग 300 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। गवर्नर केविन स्टिट ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके राज्य में अब तक लगभग 69 हेक्टेयर इलाका जल चुका है। स्टेट हाईवे पेट्रोल ने कहा कि हवाएं इतनी तेज थीं कि उन्होंने कई ट्रैक्टर-ट्रेलरों को पलट दिया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च में ऐसे मौसम के चरम देखना असामान्य नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह तक सबसे ज्यादा मौतें मिसौरी में हुईं, जहां रातभर बवंडर ने कहर बरपाया और कम से कम 12 लोगों की जान ले ली। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति शामिल था, जिसका घर बवंडर से तबाह हो गया। बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एकर्स ने कहा कि यह घर जैसा नहीं लग रहा था। बस मलबे का ढेर था। फर्श उल्टा था। एकर्स ने बताया कि बचावकर्मियों ने घर में एक महिला को बचा लिया। अर्कांसस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इंडिपेंडेंस काउंटी में तीन लोगों की मौत हो गई। रातभर तूफान राज्य से गुजरा, जिससे आठ काउंटियों में 29 अन्य घायल हो गए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने एक्स पर कहा कि हमारी टीमें कल रात को बवंडर के कारण नुकसान का सर्वे कर रही हैं। हमारे आपदा कोष से ढाई लाख डॉलर जारी किए गए हैं, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके। शुक्रवार को, अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास पैनहैंडल के अमरिलो में धूल भरी आंधी के दौरान कार दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई।

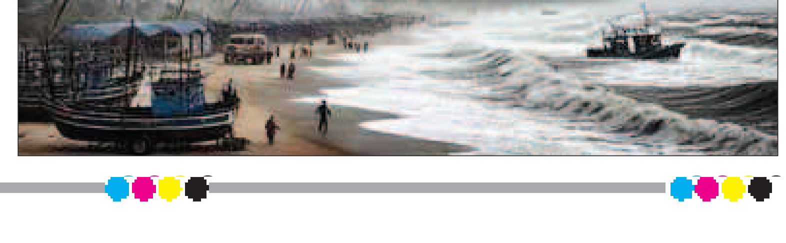

चाय स्फूर्ति देने वाला पेय है अगर लत न बने

हमारे यहां चाय को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक तथा नशे का साधन माना जाता हैं और इससे बचने की सलाह दी जाती हैं। सबसे पहले तो चाय के विषय में हमने जो गलत धारणा बना रखी है उसको दूर करना जरूरी है। चाय मात्र एक हानिकारक पेय नहीं अपितु यह एक उपयोगी पेय भी है। चाय एक पौधे विशेष की पत्तियां ही तो हैं जिन्हें सुखाकर एक विशेष रंग और स्वाद दिया गया है। किसी भी पौधे की पत्तियों का अर्क या क्वाथ सदैव हानिकारक कैसे हो सकता है? लेकिन फिर भी कई बार चाय पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं माना जाता और इसका प्रमुख कारण है चाय की तैयार सूखी पत्ती या पेय बनाने की विधि में त्रुटि या कमी।

चाय पारंपरिक भारतीय पेय नहीं है फिर भी इस समय भारत में ये एक अत्यंत लोकप्रिय पेय है। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी न केवल चाय की चुस्कियां लेना पसंद करते हैं। चाय से मुताल्लिक एक शेर याद आ रहा है:

एक दोशीज के लबों की तरह, इसमें गरमी भी है मिठास भी है।

हमारे यहां प्राय: सभी लोग चाय बनाना जानते हैं। चाय बनाने के अनेक तरीके हैं और कई प्रकार से इसे तैयार किया जाता है। हमारे देश में विशेष रूप से उत्तरी भारत में चाय प्राय: दूध डाल कर तैयार की जाती है। यूरोपीय देशों, रूस और अमेरिका के लोग प्राय: बिना दूध की चाय पसंद करते हैं। तिब्बत की नमकीन चाय का तो स्वाद ही नहीं बनाने की विधि भी रोचक है।

चाय की प्रमुख वैरायटी:

रंग के अनुसार चाय की प्रमुख रूप से तीन वैरायटी तैयार की जाती हैं:- हरी चाय- काली चाय- ऊलांग चाय

उपरोक्त में से हरी चाय या ग्रीन टी लीव्ज में किसी प्रकार के रंग या स्वाद का मिश्रण नहीं किया जाता। इसमें ताजा पत्तियों को मात्र सुखाकर पैक कर दिया जाता है और किसी भी प्रकार की कृत्रिम गंध से इसे मुक्त रखा जाता है। प्राकृतिक पत्तियां होने के कारण ही इसे हरी चाय कहते हैं।

हरी चाय से पेय तैयार करने के लिए इसमें दूध नहीं मिलाया जाता। पानी उबाल कर उसमें पत्तियां डाल कर ढंक कर रख देते हैं। पत्तियां डालने के बाद उसे उबाला नहीं जाता। थोड़ी देर में पत्तियों का प्राकृतिक व स्वाभाविक रंग और स्वाद पानी में आ जाता है। इसको छानकर इसमें स्वाद या आवश्यकतानुसार शहद या चीनी मिलाकर इसका सेवन किया जाता है। इस प्रकार से निर्मित चाय न केवल चुस्ती-स्फूर्ति और ऊर्जा प्रदान करती है अपितु औषधीय गुणों से भी भरपूर होती है। वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि इस प्रकार की चाय में केंसररोधी गुण पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं। दूसरे इस प्रकार से तैयार बिना उबाली गई चाय में कैफीन जैसे अपेक्षाकृत मादक तत्व भी पेय में नहीं आ पाते।

दूसरे और तीसरे प्रकार की चाय की पत्ती को तैयार करने के लिए चाय की पत्तियों के अतिरिक्त बाहर से कई और चीजें मिलाकर उसके रंग और स्वाद को बदला जाता है। यदि ब्लैंडिंग की इस प्रक्रिया में कोई मादक पदार्थ प्रयोग में लाया जाता है तो वह अवश्य ही अपना प्रभाव डालेगा। इस प्रकार आज बाजार में अनेक तरह की चाय की पत्तियां

उपलब्ध हैं। काली या ऊलांग चाय की पत्ती से भी चाय तैयार करने की भी सही विधि यही है कि चाय की पत्तियों को उबलते पानी में भिगोकर थोड़ी देर बाद उसे छान लिया जाए और उसमें गरम दूध और चीनी मिलाकर उसका इस्तेमाल किया जाए। इससे भी हानिकारक तत्व पेय में नहीं आ पाएंगे। कुछ लोग विशुद्ध हरी चाय की पत्ती से तैयार पेय पसंद नहीं करते तो कुछ काली या ऊलांग चाय की पत्ती से तैयार पेय पसंद नहीं करते। इसका सबसे अच्छा उपाय है दोनों प्रकार की पत्तियों को अपनी पसंद के अनुसार मिलाकर प्रयोग किया जाए। कुछ लोग चाय को बहुत पसंद करते हैं लेकिन कुछ लोग इसे न केवल घातक पेय मानते हैं अपितु चाय को भारतीय संस्कृति के खिलाफ भी मानते हैं। क्या चाय वास्तव में भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल और घातक है? हमारे यहां वैदिक काल से ही विभिन्न रोगों के उपचार के लिए क्वाथ या काढ़ा बनाकर पीने का वर्णन मिलता है। आयुर्वेद में विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों अथवा वनस्पतिजन्य पदार्थों से क्वाथ बनाने का वर्णन मिलता है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में जोशांदा भी विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों को उबालकर ही बनाया जाता है।

काली मिर्च, लौंग, बड़ी और छोटी इलायची, सौंठ या अदरक, पीपल, मुलेहटी, उन्नाब, बनफ्रशा आदि विभिन्न जड़ी-बूटियों और मसालें को उबालकर काढ़ा बनाने का प्रचलन आज भी हमारे यहां खूब प्रचलित है। सर्दी-जुकाम के उपचार के लिए तो इससे उपयोगी औषधि हो ही नहीं सकती। इसी प्रकार चाय में भी अनेक औषधीय गुण विद्यमान हैं जो शरीर को चुस्ती-स्फूर्ति देने के साथ-साथ अनेक प्रकार के रोगों को रोकने अथवा उनका उपचार करने में सक्षम हैं।

चाय को सदैव एक ही तरीके से बनाकर पीने की बजाए अलग-अलग तरीकों से बनाकर पीना अच्छा है। कभी दूध की चाय लें तो कभी बिना दूध की। कभी चाय पत्ती उबाल कर तो कभी बिना पत्ती उबाले बिना दूध के नींबू की चाय आजमाएं। दिन में एक या दो बार बिना दूध की बिना उबली सादी या नींबू की चाय अवश्य लें क्योंकि ये एक पेय ही नहीं उत्तम औषधि भी है। चाय को स्वदेशी रूप प्रदान करने के लिए कभी उसमें तुलसी की पत्तियां डाल लें तो कभी इलायची कभी दालचीनी तो कभी सौंफ। गला खराब है तो गरम पानी में नमक डालकर गरारे करें और साथ ही चाय में भी थोड़ा नमक डालकर पीएं।

हेल्थ प्लस

पहला सुख, निरोगी काया

हमारे कर्म का आधार है शरीर। हमारे सुख-दु:ख भी इससे जुड़े हैं। हमारे अनुभव भी इसके माध्यम से होते हैं। जीवन को निवृत्ति और प्रवृत्ति के पथ पर अग्रसर करने का, तप, साधना का मार्ग भी यही है। इसीलिए निरोगी काया को पहला सुख मानते हैं। साथ ही शरीर स्वयं अपने-आप कुछ करने योग्य भी नहीं है। बिना बुद्धि के, योग के यह कार्यरत नहीं होता। शरीर के कण-कण में मन व्याप्त है, अत: जब भी शरीर की बात आती है, उसके साथ हमारे अध्यात्म की बात चलती है, जिसमें हमारी आत्मा भी जुड़ी है। इस अध्यात्म को समझने का मार्ग भी शरीर ही है। हमारी पहली आवश्यकता शरीर को समझने एवं इसे नियंत्रण में रखने की हो जाती है।

हमारे आहार, विहार, निद्रा आदि का क्रम इसे स्वस्थ रखता है। समय-समय पर विवेचन भी करना पड़ता है। व्यायाम और आसन का क्रम भी इसे क्रियाशील एवं स्वस्थ रखता है। यह सभी क्रम नियम समय पर किए जाते हैं। इनमें से बैठना अर्थात् आसन हमारी पूरी दिनचर्या का अंग है। इसे केवल शारीरिक गतिविधि मानकर ही हम तरह-तरह से आड़े-टेढ़े-तिरछे बैठते रहते हैं। इस पर विवेकपूर्वक ध्यान देना हमारी पहली आवश्यकता है। हमारे शरीर का आधार हमारी रीढ़ है। सभी स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों अथवा रोग या प्राण ऊर्जाएं रीढ़ से ही संचालित होती है। यहां तक कि हमारा श्वास भी रीढ़ अथवा पृष्ठरज्जू से ही बहता है। नाक के दोनों नथुने जीवनशक्ति को मूलाधार से ऊपर की ओर विकसित करना इसकी सकारात्मक दिशा है। यह शक्ति भावनात्मा धरातल सै जुड़ते ही अपना स्वरूप बदल देती है। मूलाधार के ऊपर स्वाधिष्ठान इसका स्थान है। क्रोध को दबाना इसकी ऊर्जा की गति अधोगामी कर देता है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव शरीर के निचले अंगों पर दिखाई देने लगता है। अत्यन्त क्रोध की अवस्था में सारा शरीर कम्पित होने लगता है। जोड़ों का दर्द इसकी प्रथम सूचना देता है, जो आगे चलकर गठिया में परिवर्तित हो जाता है।

दांत और मसूढ़ों के रोग बड़ी बीमारी की दस्तक

मुंह को शरीर का आईना माना जाता है और इसमें दांत की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। विशेषज्ञों की राय में सुंदर चेहरे के लिए सुंदर और स्वस्थ दांत का होना आवश्यक है लेकिन दांत की सुंदरता के साथ इसका स्वस्थ होना अनिवार्य है। हाल के वर्षों में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि दांत और मसूढ़ों की बीमारी कई अन्य गंभीर बीमारियों की जनक है, जैसे हृदय रोग, मधुमेह आदि। कई पश्चिमी देशों में नौ फरवरी को 'डेंटल डे' मनाया जाता है। इस दिन दांत दर्द एवं इसके अन्य रोगों से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाता है तथा शरीर की सुंदरता में इसके महत्व को रेखांकित किया जाता है। हालांकि इस दिवस की पृष्ठभूमि तथा इसे मनाने के सही सही कारणों की जानकारी तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन अन्य दिवसों की तरह यह भी कुछ पश्चिमी देशों में प्रचलित है।

- मुंह में मुख्यता दो प्रकार की बीमारी होती है। पहली, दांतों में कीड़ा लगना तथा दूसरी, मसूढ़ों की बीमारी जिसे सामान्य बोलचाल में पायरिया कहा जाता है।
- सही जानकारी और उचित देखभाल की कमी के कारण दांतों में बचपन से ही कीड़े लगने शुरू हो जाते हैं तथा समय के साथ यह बढ़ता चला जाता है, जो दांत दर्द का सबब बनता है।
- मसूढ़ों की बीमारी तथा संक्रमण की वजह से शरीर के अन्य अंगों पर संक्रमण का खतरा बन जाता है, जिसमें दिल, धमनियों की समस्या, मधुमेह का अनियंत्रित होना आदि शामिल है।
- दांतों को बीमारी से बचाने तथा उसकी उचित देखभाल के लिए छह महीने या साल में कम से कम एक बार दंत चिकित्सक के पास अनिवार्य तौर पर जाना चाहिए।
- भारत के कई शहरों में हाल में हुए सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लोगों में दांत से जुड़ी जरूरी जानकारी का अभाव है तथा खान-पान से इस पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में अधिकांश लोगों में अज्ञानता है।
- खाना खाने के बाद जीभ तथा दांत की अच्छी तरह सफाई, इसके लिए मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ब्रश से दांतों की सफाई तो हो जाती है लेकिन इससे दो दांतों बीच का हिस्सा साफ नहीं हो पाता है जिस कारण वहां पर धीरे-धीरे कीड़े लगने शुरू हो जाते है, जो बाद में समस्या बनकर उभरती है। इसे साफ करने के लिए फ्लशिंग का इस्तेमाल करना चाहिए।
- यह एक प्रकार का धागा होता है, जो दांतों के बीच का हिस्सा साफ करता है लेकिन लोग समान्यता इसका उपयोग नहीं करते हैं, जो कीड़ा लगने का बहुत बड़ा कारण होता है।
- अधिक मीठा खाने से परहेज करना चाहिए। ऐसी चीजों को खाने से बचना चाहिए जो दांतों तथा मसूढ़ों से चिपक जाती हैं, जैसे बिस्कुट, चाकलेट, आइसक्रीम आदि।
- दांतों को मजबूत तथा निरोग रखने के लिए फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए।

गलत डायटिंग यानी बीमारियों को खुला निमंत्रण

बॉलीवुड के सितारों की अंधाधुंध नकल करके छरहरी काया के इच्छुक युवक युवतियों को डॉक्टरों की सलाह है कि बिना किसी विशेषज्ञ की राय के डायटिंग न करें अन्यथा वे क्षय रोग तथा मानसिक बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। गौरतलब है कि हमारे शरीर में क्षय रोग के जीवाणु माइक्रोबैक्टीरियम टयूबरकोलाई निष्क्रिय अवस्था में रहते हैं और जब कोई व्यक्ति बिना किसी कारण एकदम से खाना कम कर देता है अथवा किसी अन्य कारण से उसे पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाता तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है। ऐसी स्थिति में शरीर में मौजूद क्षय रोग के जीवाणुओं के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। यह एक तरह से जगजाहिर ही है कि हमारे देश में लोगों की कहीं भी थूक देने की आदत है। लोग मुंह को बिना ढंके खांसते भी रहते हैं। जो व्यक्ति डायटिंग कर रहा होता है उसके शरीर का प्रतिरोधी तंत्र कमजोर हो जाता है। इसका असर यह होता है कि थूक या खांसी के जीवाणु उसके शरीर को आसानी से प्रभावित कर देते हैं।

आज का युवा चाहता है कि उसका शरीर ग्रीक देवता अथवा बार्बी गुडिया जैसा हो जाये। आज के शहरी युवक और युवतियां अपने शीर को कष्ट पहुंचाने से भी नहीं हिचकते और जितनी शरीर की आवयकता होती है उससे कम मात्रा में भोजन करते हैं। ऐसे युवा कार्बोहाइड्रेट एवं वसा युक्त पदार्थों को तो बिल्कुल भी नहीं लेते जो शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। युवतियों में खाना नहीं खाने की प्रवृत्ति एनोरेक्सिया बीमारी उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर पर अधिक पाई जाती है क्योंकि वे अपनी फिगर तथा भोजन को लेकर ज्यादा चिंतित रहती हैं। युवकों में इस बीमारी को बुलीमिया कहा जाता है। नौजवानों को सलाह है कि अपने आदर्श माडलों, अभिनेताओं को उनकी दुनिया में ही रहने दें और स्वयं को इस धरातल पर उतार कर जीना सीखें।

जानबूझकर कम खाना धीरे-धीरे एक आदत बन जाता है और ऐसे युवक युवतियां मानसिक बीमारियों और अवसाद का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोगों की इच्छा लगातार अपना वजन कम करने की होती है। डायटिंग करने वाली लड़कियों में दिल, यकृत और गुर्दो को बहुत नुकसान पहुंचता है और लगातार कम भोजन लेने से शरीर की कार्य प्रणाली धीमी पड़ जाती है जिससे निम्न रक्त चाप, नब्ज और सांस का धीमा होना प्रमुख है। शरीर को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलने से ऐसे व्यक्ति काम पर ध्यान नहीं दे पाते और उनमें खून की कमी तथा जोड़ों की सूजन आम लक्षण होते हैं। इसके अलावा उनमें बाल गिरने, नाखून टूटने और शरीर के अन्य हिस्सों में बाल उगने जैसी बीमारियां भी हो जाती हैं। यदि समय रहते इनका उपचार न किया जाए तो व्यक्ति कुपोषण का शिकार बन जाता है और अंत में उसकी मौत भी हो सकती है।

विशेषज्ञों की राय है कि हर व्यक्ति के शरीर की शारीरिक बनावट अलग है और उसकी लंबाई के हिसाब से ही उसका वजन होता है। लंबाई और वजन के प्रतिशत अनुपात को बाडी मांस इंडेक्स कहा जाता है जो बता सकता है कि किसी व्यक्ति का वजन उसके लंबाई हिसाब से कम है अथवा ज्यादा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3471

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3470 का हल

लॉफिंग जौन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

फिल्म वर्ग पहेली- 3471

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3470

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

सूडोकु -3471

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -3470 का हल

शब्द पहेली - 3471

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली - 3470 का हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द								सो	
अ	सा	म	यि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खौ	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

संपादक की कलम से

सोशल मीडिया के उपयोग में सावधानी की दरकार

नकारात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए टेलीग्राम पर वैश्विक स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. ऑस्ट्रेलिया की इ-सेफ्टी कमीशन ने मार्च 2024 में यूट्यूब, एक्स, फेसबुक, टेलीग्राम को लाइव स्ट्रीमिंग फीचर्स, एल्गोरिदम और रिकमेंडेशन सिस्टम के जरिये चरमपंथी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नोटिस दिया था. कमीशन ने टेलीग्राम से विशेष रूप से पूछा था कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को रोकने के लिए क्या कदम उठा रहा है? पुनश्च, अगस्त 2024 में टेलीग्राम के संस्थापक श्री पावेल ड्यूरोव को अवैध गतिविधियों में एप के इस्तेमाल के आरोप में फ्रांस में गिरफ्तार कर लिया गया था. इस वर्ष भी मध्य प्रदेश बोर्ड की 10वीं व 12वीं परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों को टेलीग्राम पर खरीदा और बेचा जा रहा था. ये उदाहरण महज बानगी भर हैं, इन प्लेटफॉर्म पर किये जा रहे काले कारनामों की लंबी फेहरिस्त है.

टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर सक्रिय चैनलों और समूहों के माध्यम से कई तरह के गैरकानूनी कार्यों को मूर्त रूप दिया जा रहा है. इसमें सिनेमा, वेब सीरीज, इ-बुक, सॉफ्टवेयर, हैकिंग सॉफ्टवेयर आदि को बिना अनुमति साझा करना सबसे सामान्य है. यहां निवेश, लॉटरी या अन्य फर्जी आकर्षक योजनाओं की आड़ में ठगी को अंजाम दिया जाता है. डार्क वेब के जरिये ड्रग्स, अश्लील फोटो व वीडियो, क्रेडिट कार्ड के विवरण आदि की खरीद-फरोख्त की जाती है. यहां फर्जी खबरों, सूचनाओं और अफवाहों का भी प्रचार-प्रसार किया जाता है, जिससे सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक अस्थिरता फैलने की आशंका रहती है. राजनीतिक दल, व्यक्ति विशेष और कारोबारी इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपने एजेंडे और विविध उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए करते हैं. चरमपंथी संगठन भी इसके माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करते हैं. चूंकि टेलीग्राम स्वतंत्र स्रोत और निजी मैसेजिंग को बढ़ावा देता है, इसलिए, इस पर लगाम लगाना मुश्किल है.

व्हाट्सएप दुनिया का सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप है. इसका इस्तेमाल भी अवैध और अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है. व्हाट्सएप और टेलीग्राम दोनों में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन की सुविधा होने के कारण गैर-कानूनी कार्यों को अंजाम देना आसान होता है. व्हाट्सएप फॉरवर्ड के जरिये अफवाहें और झूठी खबरें तेजी से फैलती हैं. कोरोना महामारी के दौरान भी वैक्सीन, स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओं से जुड़ी भ्रामक जानकारी फैला कर लोगों को भ्रमित किया गया था. फर्जी लॉटरी और नौकरी का झांसा, बैंकिंग और ओटीपी धोखाधड़ी, क्रिप्टो में निवेश, झूठी निवेश योजनाओं, केवाइसी अपडेट धोखाधड़ी, सिम ब्लॉक होने आदि मैसेज भेजकर भी धोखाधड़ी की जा रही है. डीपफेक और मॉर्फ्ड फोटो के जरिये भी ठगी हो रही है. डेटिंग स्कैम के तहत लड़कियों के नाम से नकली प्रोफाइल बनाकर लोगों को ठगा जा रहा है. फर्जी व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट बना नकली सामानों को बेचा जा रहा है.

स्नैपचैट के डिसअपीयरिंग मैसेज फीचर का लाभ उठाकर ड्रग, हथियार, और नकली दस्तावेजों की खरीद-फरोख्त की जा रही है. यहां फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों से दोस्ती करना और फिर उनकी निजी तस्वीरें व वीडियो लीक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना आम हो गया है. अश्लील कंटेंट का स्नैपचैट एक बड़ा अड्डा बन चुका है. यहां पेड सब्सक्रिप्शन मॉडल सक्रिय है. निजी स्नैप या प्रीमियम स्नैप जैसे कोड वर्ड के जरिये गैरकानूनी तरीके से एडल्ट कंटेंट को यहां खरीदा व बेचा जाता है. वहीं फेसबुक और इंस्टाग्राम पर धोखाधड़ी एवं ठगी के लिए पैसे देकर फॉलोअर, लाइक, कमेंट व व्यूज खरीदे व बेचे जा रहे हैं. सोशल मीडिया पर फर्जी नौकरी के ऑफर, फर्जी लिंक भेजकर लोगों की निजी जानकारी व बैंक विवरण चुराये जा रहे हैं. आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे नकली पहचान पत्र बेचे जा रहे हैं. ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी की जा रही है. इन प्लेटफॉर्मों पर फर्जी ब्रांड और ऑनलाइन स्टोर भी सक्रिय हैं, जो सस्ती दर पर उत्पाद बेचने का लालच देकर ठगी को अंजाम देते हैं. यूट्यूब भी ठगी का बड़ा माध्यम है. यहां भी गैर-कानूनी कंटेंट और अश्लील रील दिखाये जा रहे हैं. साथ ही, सब्सक्राइबर, व्यूज और लाइक खरीदे व बेचे जा रहे हैं. पायरेसी और कॉपीराइट उल्लंघन, फर्जी गुरु, फर्जी मोटिवेशनल स्पीकर सभी इस चैनल पर ठगी की दुकान चला रहे हैं. कई यूट्यूब चैनल भ्रामक खबरें, अफवाह और झूठे दावे फैलाकर करोड़ों व्यूज एवं पैसे कमाते हैं. धर्म, राजनीति और समाज से जुड़े विवादास्पद कंटेंट बनाकर भी पैसे कमाये जा रहे हैं. कई तरह के झूठे दावे किये जाते हैं, जिसमें स्वास्थ्य सबसे प्रमुख है.

सरकार मैसेजिंग एप और सोशल मीडिया के जरिये हो रहे काले कारनामों से वाकिफ है, पर अभी तक कोई ऐसा कानून या उपाय लेकर हमारे समक्ष नहीं आ पायी है, जिससे आमजन को इन परेशानियों से मुक्त कराया जा सके. ऐसे में यूजर्स को ही सावधान रहने की जरूरत है. नाबालिगों के संदर्भ में माता-पिता की जिम्मेदारी बदले परिवेश में बढ़ गयी है. उन्हें हर समय सतर्क रहने, बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने और उनके कार्य-कलापों पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है.

होली के बाद स्किन पर निकल गए हैं पिंपल्स, तो इन टिप्स को करें फॉलो

होली की मस्ती के बाद कई लोग स्किन प्रॉब्लम्स से जूझते हैं. लोगों के चेहरे पर दाने निकल आते हैं. खासकर उन महिलाओं की ये समस्या ज्यादा होती है जिनकी स्किन ड्राई होती है. उनमें रंग खेलने के बाद पिपंल्स निकल आते हैं. रंगों में मौजूद केमिकल्स, तला-भुना खाना और कम पानी पीने से चेहरे पर पिंपल्स उभर आते हैं. अगर आपकी भी स्किन होली के बाद बिगड़ गई है, तो घबराने की जरूरत नहीं है. कुछ घरेलू टिप्स अपनाकर आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं. अगर इससे आराम ना मिले तो डॉक्टर की ये टिप्स अपनाकर आप अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं.

चेहरे को तुरंत करें क्लीन

होली के बाद सबसे पहला काम स्किन की अच्छे से सफाई करना है. माइल्ड फेसवॉश या घर में बना उबटन (बेसन, दही और हल्दी) इस्तेमाल करें. इससे रंगों में मौजूद हार्श केमिकल्स हट जाएंगे और स्किन को नुकसान नहीं होगा.

पिंपल्स को न छुएं, नहीं तो बढ़ेगी दिक्कत

पिंपल्स को हाथ लगाने या फोड़ने से इंफेक्शन और बढ़ सकता है. इससे स्किन पर दाग-धब्बे भी रह सकते हैं. इसलिए इन्हें खुद से ठीक होने दें और किसी एंटी-पिंपल क्रीम का इस्तेमाल करें.

खूब पानी पिएं, स्किन होगी हेल्दी

होली के दौरान शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे स्किन डल और बेजान लगने लगती है. कम पानी पीने से टॉक्सिन्स शरीर में ही रह जाते हैं, जिससे पिंपल्स बढ़ सकते हैं. इसलिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं.

तला-भुना और मीठा खाने से करें परहेज

गुझिया, पकौड़े और मिठाइयों का ज्यादा सेवन करने से स्किन ऑयली हो जाती है, जिससे पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है. होली के बाद कुछ दिनों तक हल्का और पौष्टिक खाना खाएं, जिसमें हरी सब्जियां, दालें और फल शामिल हों.

एलोवेरा और गुलाब जल से करें स्किन को ठंडक

अगर चेहरे पर पिंपल्स या जलन महसूस हो रही है, तो रात में एलोवेरा जेल लगाकर सोएं. गुलाब जल को फेस टोनर की तरह इस्तेमाल करें, इससे स्किन जल्दी रिकवर होगी.

नेचुरल फेस पैक से स्किन को करें डीटॉक्स

हल्दी, चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक बनाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं. इससे स्किन डीटॉक्स होगी और पिंपल्स धीरे-धीरे कम होने लगेंगे. अगर पिंपल्स ज्यादा हो रहे हैं और घरेलू नुस्खों से भी ठीक नहीं हो रहे, तो स्किन स्पेशलिस्ट से सलाह लें.

निर्णय क्षमता को विकसित करना सफल जीवन की कुंजी

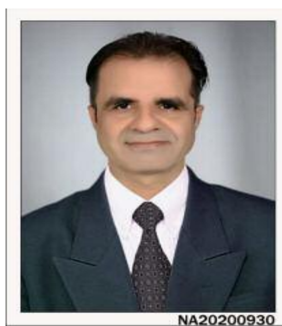

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर निर्णय एक ऐसी क्रिया है जो करीब- करीब हर व्यक्ति के जीवन में आती ही है। चाहे वह सर्वोच्च शिखर पर बैठा परम बौद्धिक क्षमता में निपुण व्यक्ति हो या अंतिम छोर की अंतिम पंक्ति में बैठा सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो!! हालांकि इसके अपवाद स्वरूप में मानसिक अस्वस्थ व्यक्ति है। उस निर्णय क्रिया में अपने अपने स्तर पर स्थितियों, परिस्थितियों के अनुसार व्यक्तिगत सार्वजनिक, प्रशासनिक,सरकार, पार्टी, राजनीतिक दिशा, चुनाव सहित हर संस्था, संगठन शामिल हैं जिन्हें अनिवार्य रूप से इस क्रिया से दो चार होना पड़ता है यह रेखांकित करने वाली बात है!

साथियों बात अगर हम निर्णय का बैकग्राउंड समझने के लिए उसकी परिभाषा की करे तो अनेक बुद्धिजीवियों ने विस्तार से समझाया है उससे निष्कर्ष निकलता है कि निर्णय लेना रचनात्मक, मानसिक, बौद्धिक, कौशलता का वह केंद्र बिंदु है जहां कार्यपूर्ति के लिए उपलब्ध विकल्पों या बिना विकल्पों के ज्ञान, विचार, भावना, कल्पना, जनहित में सटीक व सार्वजनिक सर्वोत्तम सिद्ध हो ताकि भविष्य में उसकेदूरगामी अनुकूलतम सकारात्मक परिणाम पारदर्शिता से देखे जा सके। सार्वजनिक निर्णय प्राय नीति, नियम, आदेश, निर्देश के रूप में व्यक्त होते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यक्तिगत जीवन में निर्णय की करें तो यह भी करीब-करीब हर व्यक्ति के जीवन में अनेक स्थितियों में ऐसा पल आता है जहां हमें निर्णय लेना होता है बस!यही निर्णय हमारे जीवन की दिशा को तय करता है थोड़ी सी भी चूक दीर्घकालीन समस्या का कारण बन सकती है इसलिए ही निर्णय के लिए हमें अपने निर्णय क्षमता का विकास करना तात्कालिक जरूरी है क्योंकि निर्णय क्षमता को विकसित करना ही सफल जीवन की कुंजी है इसके लिए हमें जीवन में समय के साथ साथ अपडेट रहना जरूरी है जिसके किसी भी पल, स्तर पर हमें निर्णय करने में आसानी होगी क्योंकि दीर्घकालीन सफलता के लिए समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है।हालांकि हम अनेक अपनों से अनेक बातों पर सलाह मशवरा करते हैं परंतु निर्णय स्वयं लेना समय की मांग है क्योंकि स्वयं पर भरोसा रख भविष्य के बड़े निर्णय लेने के लिए हमें निर्णय क्षमता को विकसित करने को रेखांकित कर निम्न बातों पर ध्यान देना होगा (1)लक्ष्य का निर्धारण (2) विकल्पों का निर्धारण (4)

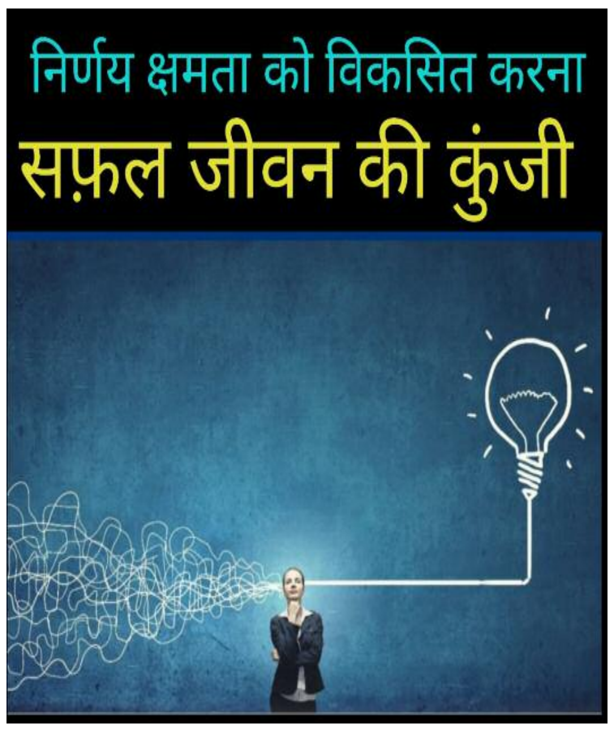

समस्याओं का विश्लेषण और उपलब्ध जानकारी का अध्ययन (5) संपूर्ण कारकों की पहचान (6) नैतिक निर्णय लेने का कौशल (7) जोखिम व अनिश्चितता का अध्ययन (8) समय का तकाजा (9)दूरगामी परिणाम (10) निर्णय के विषय संबंधी आवधिक घटनाओं का पूर्वानुमान सहित अनेक ऐसे कारक हैं जिस पर एक नजर डालकर निर्णय क्षमता में विकास और निर्णय लेने में आसानी को अंजाम दिया जा सकता है

साथियों बात अगर हम निर्णय में भावुकता और असहजता की करें तो, हम जो भी काम करते हैं, उसमें हमारी भावनाएं अहम भूमिका निभाती हैं, इसलिए कोई भी निर्णय लेते वक्त अपनी भावनाओं की अनदेखी नहीं करें। अगर आप बहुत ही ज्यादा भावुक महसूस कर रहें हैं तो उस वक्त कोई भी निर्णय लेने से बचें। निर्णय लेने को कुछ देर के लिए टाल दें।अकसर भावनाओं की रौ में बहकर हम गलत निर्णय ले लेते हैं। ऐसा करने से बचें। जब आप भावनात्मक रूप से संतुलित महसूस करें, तभी शांत दिमाग और शांत मन से निर्णय लें। ऐसा करने से आपके फैसलों के गलत साबित होने की आशंका कम हो जाएगी।

साथियों कोई निर्णय लेते वक्त अगर आप उसके बारे में असहज महसूस कर रहें हैं तो फिर वह निर्णय नहीं लें। कोई भी निर्णय लेना मानसिक और शारीरिक रूप से थकावट भरा काम होता है। सिर्फ इस वजह से ही आप शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से थकावट महसूस कर सकते हैं। अगर कोई बात आपको पहलेसे ही इतना परेशान कर रही है तो बेहतर होगा कि आप खुद को इस कुचक्र में फंसाए ही नहीं। अगर किसी विषय के बारे में असहज महसूस कर रहें हैं तो उस निर्णय को कुछ देर के लिए टाल दें।

साथियों बात अगर हम निर्णय में विकल्पों और नजरिए विचारों की करें तो, जब आप किसी निर्णय पर पहुंचते हैं, तो आपके दो तरह के विकल्प होने चाहिए। अगर एक विकल्प सफल न हो सके तो आप दूसरे विकल्प पर विचार कर सकें। ऐसा तभी होगा जब आप अपने दिमाग को खुला रखेंगे और हर विचार पर गौर करेंगे। इसके साथ ही स्वयं पर भरोसा करना भी सीखें।अमरीकी अध्ययन के अनुसार निर्णय लेने की क्षमता को तभी विकसित किया जा सकता है, जब व्यक्ति को स्वयं पर भरोसा हो। आप कॉन्फिडेंट रहेंगे तो भविष्य के लिए बड़े निर्णय ले सकते हैं।अतः अगर हम स्वयं के नजरिए पर ध्यान देते हैं तो आप न केवल तनाव से बाहर निकल सकते हैं, बल्कि दूसरों के विचारों को भी बदल सकेंगे। दरअसल, जब तक आप स्वयं के नजरिए पर ध्यान नहीं देंगे तो आप पर हमेशा अन्य लोगों के विचार ही हावी रहेंगे। इस तरह आप यह भी जज नहीं कर पाएंगे कि आपके लिए क्या सही है और क्या गलत।

साथियों बात अगर हम निर्णय और उसमें आने वाली बाधाओं की करें तो, निर्णय लेने की जटिलता तब बढ़ जाती है, जब आपके पास पर्याप्त सूचनाएं न हो। ऐसे में निर्णय लेने का काम एक कठिन टास्क होगा। इसके अलावा यदि आपके विचारों में स्थिरता नहीं है तो भी किसी तरह के निर्णय पर पहुंचना मुश्किल होगा। वर्किंग के दौरान किसी समस्या पर यदि आप नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं तो ऐसे में निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होगी। इसलिए उन फैक्टर्स पर ध्यान दें जो आपके निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर बनाते हैं।

साथियों निर्णय लेना आसान काम नहीं होता। फिर चाहे निर्णय छोटा हो या बड़ा। निर्णय लेने की हमारी क्षमता को कई चीजें प्रभावित करती हैं। अनूठी बात यह है कि अकसर हम इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ होते हैं। यह सच है कि हमारा प्रत्येक निर्णय हमारी जिंदगी को एक ही तरह से प्रभावित नहीं करता है, पर इसका मतलब यह भी नहीं है कि हम दैनिक जीवन में लिए जाने वाले छोटे-मोटे निर्णयों को लेकर उदासीन रवैया अपनाना शुरू कर दें। इसलिए अब से फिर चाहे खाने का मेन्यू तय करना हो या फिर नौकरी के लिए दूसरे शहर जाने का फैसला हो, गलत फैसला लेने से बचने के लिए निर्णय लेते वक्त कुछ बातों को जरूर ध्यान में रखें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि निर्णय क्षमता को विकसित करना सफल जीवन की कुंजी है। जीवन में समय के साथ अपडेट रहने से निर्णय क्षमता विकसित करने में आसानी होती है तथा सफल जीवन के लिए समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है। स्वयं पर भरोसा रख भविष्य के लिए बड़े निर्णय ले सकते हैं।

खून की चर्बी कम करने के लिए भी बेजोड़ लहसुन

मीना अग्रवाल नेचुरोपैथी

लहसुन का एक नाग या लहसुन की दो पोस्ट कलियां चलकर टुकड़े कर खाली पेट रोज प्रातः थोड़े पानी के साथ चबा-चबाकर खाएं तो रोगी का रक्त में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल घटकर बहुत जल्दी सामान्य स्तर पर आ जाता है

विशेषः-लहसुन रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटाने रक्तचाप कम करने और ट्यूमर बनने से रोकने में लाजवाब है लहसुन पर हाल ही में 200 से अधिक वैज्ञानिक ने अध्ययन कर आश्चर्यजनक तथ्य बताए हैं इटली में 432 रोगियों पर अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है की लहसुन में पाई जाने वाली गंधक की मात्रा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करती है और खून के थक्कों के निर्माण को रोककर रक्तचाप घटाती है लहसुन एंटीबायोटिक एंटीफंगल व एंटीवायरस जैसी भूमिका निभाता है

लहसुन सेवन का सर्वश्रेष्ठ तरीका लहसुन की एक कली को छील कर उसके तीन-चार टुकड़े करना और ऐसी दो-तीन कलियां थोड़े पानी के घुट के साथ प्रातः खाली पेट चबाकर ले क्योंकि कच्चे लहसुन में शरीर के लिए हानिकारक जीवाणु एवं रोगाणु का नाश करने वाली इसकी गंध और अमृत तुल्य गुण संपूर्ण रूप से विद्यमान रहते हैं इस विधि से निरंतर स्वस्थ व्यक्ति दीर्घायु होता है हमेशा स्वस्थ बना रहता है वागमर जी कहते हैं जो व्यक्ति जाड़े के मौसम लहसुन का विधि पूर्वक प्रयोग करेगा वह निरोग तेजस्वी स्पष्ट रहेगा

लहसुन की विशेषताएं

लहसुन अम्ल रस छोड़कर छपरा कड़वा कसला लवण और मधुर रसों से युक्त अमृततुल्य रसायन है पैशन 7 के दिनों में खटाई विशेष कर अमचूर और इमली की कटाई का सेवन वर्जित है स्नेह युक्त होने के कारण पौष्टिक है लहसुन एक उत्तम कामिनाशा औषधि है इसमें घाव को निरोग करने की गजब की शक्ति है उग्र गंदा लहसुन उन विषाक्त कीटाणुओं का नाश तो करता ही है साथ ही आरोग्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण बैक्टीरिया का रक्षण और वृद्धि भी करता है इसमें पाए जाने वाला अलील सल्फाइड नामक उडनशील तेल जो समस्त शरीर में बिजली की गति से फैलने वाला सशक्त जंतु नाशक है शरीर के किसी भी कोने में क्षय टीवी के कीटाणुओं का नाश करने में समर्थ है लहसुन तेल की मालिश से यह शरीर के प्रत्येक छोटे-बड़े भाग में प्रविष्ट हो जाता है और क्षय को दूर कर देता है रोग संक्रामक की वृद्धि को रोकता है

आयुर्वेद के अनुसार लहसुन का सेवन

शरीर में जब खाया हुआ पदार्थ जमा हो जाता है तो दर्द पैदा करता है जैसे घरो की नालियां घूमती हैं उन मोड़ों पर कुछ ना कुछ कचरा रह जाता है जब तक पानी का वेग और झाड़ू उसको दूर ना करें जब तक मालिश के द्वारा खून की गति तेज ना किया जाए या खून की गति को बढ़ाने के पदार्थ न खाए जाएं तब तक बहुत जोड साफ नहीं हो सकते

कच्चे लहसुन खून की गति को बढ़ाता है जिससे रक्त प्रवाह को अवरुद्ध करने वाली रुकावटें दूर हो जाती हैं और शरीर के प्रत्येक कोने में विशेष कर जोड़ों में जमा कचरा पसीने मल मूत्र के रास्ते निकल जाने से कई प्रकार से संधिवात मिटते हैं

जैसे आमवात गठिया गर्दन की हड्डियों की सूजन तथा कमर दर्द आदि अंगों का लकवा और त्वचा की शून्यता मिटती है वात श्वास कफ का नाश होता है लहसुन की गंध से गैस का गुब्बार निकल जाता है हृदय रोग में लहसुन देने से पेट फूलना कम होकर हृदय पर दबाव भी कम हो जाता है पेशाब और पसीना खुलकर आते हैं पुरानी खांसी क्षय आदि फेफड़ों के रोगों को समूल नष्ट कर देता है लहसुन कोशिकाओं की धीरे-धीरे मरम्मत कर उसमें नवजीवन भर देता है लहसुन सब प्रकार की गंदगी को निकाल कर रक्त को शुद्ध कर देता है

लहसुन पौष्टिक स्निग्ध तीक्ष्ण तथा मधुर लवण कटु कषाययुक्त होता है यह पाचन सारक स्वेदल मूत्रल

और रेचक है कफ दूर करने वाला उदखात संधिवात आमवात पक्षवात कंठ दोष निवारक है क्षय रोग में इसका उपयोग करने से यह कफ गिरने को कम करता है रात्रि के पसीने को रोकता है भूख बढ़ाता है और नींद भी लाता है रोग विरोधक शक्ति बढ़ाने वाला वात रोगों सर्दी जुकाम श्वास कास कुक्कुर कास घाव डिफ्थीरिया आदि रोगों में अत्यंत लाभप्रद है यह सूजन को कम करना टूटी हड्डी को जोड़ने वाला शूल को शांत करने वाला अरुचि को दूर करने वाला तथा बुढ़ापे की व्यधियो को दूर करने वाला

परहेज खटाई से परहेज करें गुड अचार और गर्म तासीर के पदार्थ का सेवन करें

पथ्य-लहसुन प्रयोग काल में मक्खन घी दूध का प्रयोग अधिक करें सात्विक भोजन ग्रहण करें क्रोध अधिक व्यायाम अधिक धूप आदि से बचें

सावधानियां -यदि लहसुन का अधिक मात्रा में सेवन गर्मी करें तो लहसुन का सेवन बंद करके कम मात्रा में करें यदि लहसुन के सेवन करने पर कोई कष्ट हो तो दूध घी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए

गरम मिजाज वाले इसका सेवन न करें

गर्भवती स्त्री कुष्ठ रोगी मूत्राशय और मूत्र पिंड की सूजन बवासीर रक्तपित वामन उष्णता मुंह सूखना जलन पतले दस्त के रोगियों और दुबले व्यक्ति को लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए

लहसुन अधिक गर्म मौसम में सेवन करना उचित नहीं है

लकवा का कारगर इलाज लहसुन-लहसुन की कलियों को छील ले 4 को लेकर लुगदी बना ले इसमें सोंठ पीपल काली मिर्च जीरा हींग 500 को बराबर मात्रा में अच्छी तरह कूट छानकर बनाया गया चूर्ण 2 ग्राम की मात्रा में मिला ले इस लहसुन की चटनी सुबह शाम रोज ले साधारण लकवा का असर तो 70 80 दिन में खत्म हो जाएगा

गठिया में लहसुन -गठिया में लहसुन की पांच कलियां या फांके लेकर छोटे-छोटे टुकड़े कर ले और 500 ग्राम दूध में उबालें इस प्रकार दूध छानकर रोजाना रात्रि सोते समय निरंतर 45 दिन सेवन करने से गठिया नष्ट हो जाएगा खटाई का परहेज एक तले हुए पदार्थ न लें हरी सब्जियां ताजी फल ले

लहसुन और चने के अलावा खून में कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले दही छाछ आंवला किशमिश अंगूर पपीता अनार प्याज अदरक बथुआ दाना मेथी अजवायन इसवगोल की भूसी

जो भी मेरे प्यारे भाई बहन इस आर्टिकल को पढ़ें कृपया अमल करें खुश रहें ध्यान रखें अपना और अपनों का

सुलगता बलूचिस्तान !

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को जो हुआ, उससे दहशतगर्दी का एक नया और खौफनाक रूप सामने आया है। बलूच लिबरेशन आर्मी के आतंकियों ने यात्रियों से भरी चलती ट्रेन को हाईजैक कर लिया और ४००-५०० यात्रियों को बंधक बना लिया। इसमें आम जनता के साथ-साथ पाकिस्तानी सैनिक, पुलिस, आतंकवाद विरोधी दस्ते और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भी शामिल हैं। कहना होगा कि यह बलूच लिबरेशन आर्मी द्वारा पाकिस्तान सरकार और सेना को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा झटका है। दोपहर में जब क्वेटा से पेशावर जानेवाली जाफर एक्सप्रेस मशफाक सुरंग के पास पहुंची तो ह्यबीएलएह्ल आतंकवादियों ने विस्फोट कर ट्रेन पर हमला कर दिया और पूरी ट्रेन को अपने कब्जे में ले लिया। यात्रियों को बंधक बना लिया गया। पाकिस्तानी सेना ने अब बंधकों को छुड़ाने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है। उसका दावा है कि उसने १०० से अधिक बंधकों को छुड़ाया है और कुछ आतंकवादियों को मार गिराया है। उधर, ह्यबीएलएह्ल ने कहा है कि उसने कुछ बंधकों को छोड़ दिया है और करीब तीस पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। ह्यट्रेन हाईजैकह्ल के इस आतंकी ड्रामा पर पर्दा गिरने तक दोनों तरफ से दावे-प्रतिदावे जारी रहेंगे। लेकिन सच तो यह है कि बलूच आतंकवादियों ने पूरी ट्रेन को हाईजैक कर पाकिस्तान के सिर पर कील

ठोक दी है। जब पाकिस्तान का निर्माण हुआ तो बलूचिस्तान को देश में मिला लिया गया। तभी से बलूच लोगों और पाकिस्तानी हुक्मरानों, फौज के बीच संघर्ष जारी है। पाकिस्तानी हुक्मरानों द्वारा दमन, विकास की उपेक्षा, समृद्ध इलाके के बावजूद बलूच लोगों के हिस्से आई गरीबी और शुरू से ही पाकिस्तान में शामिल होने के विरोध के कारण स्वतंत्र बलूचिस्तान की मांग को लेकर दशकों से तहरीक, आंदोलन होते रहे हैं। यह अब दहशतगर्दी और आत्मघाती गतिविधियों तक पहुंच गया है। बलूचिस्तान में चीन द्वारा बनाए जा रहे ग्वादर बंदरगाह और वहां से चीन तक जानेवाले ह्यपाकिस्तान-चीन इकोनॉमिक कॉरिडोरह्ल की परियोजनाओं से बलूच लोगों को लग रहा है कि चीन पाकिस्तान के साथ मिलकर उनकी खनिज संपदा भी लूट लेगा। इसके चलते चीनी सैनिकों पर हमले बढ़ गए हैं। ग्वादर और पाकिस्तान-चीन इकोनॉमिक कॉरिडोर दोनों परियोजनाएं भूराजनीतिक तौर पर भारत के लिए भी खतरे की घंटी हैं। इसलिए पाकिस्तानी हुक्मरान आरोप लगा रहे हैं कि भारत बलूच विद्रोहियों की आग में घी डाल रहा है। अब भी जाफर एक्सप्रेस के अपहरण के पीछे भारत

के होने का राग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ अलाप रहे हैं। दशकों पहले, भारत में आतंकवादी हमलों के लिए व्यापक रूप से ह्यपाकिस्तान का हाथह्ल बताया जाता था। अब पाकिस्तानी हुक्मरानों को बलूचिस्तान में बलूच आतंकवादियों की गतिविधियों के पीछे भारत का हाथ नजर आता है। बलूचिस्तान, वहां के आंदोलन और उसके प्रति पाकिस्तान की नीति, यह उस देश का मुद्दा है। बहरहाल, पाकिस्तान के हुक्मरानों को इस बात पर आत्ममंथन करना चाहिए कि हालात इतने खराब क्यों हुए, वैष्ठसे वहां का जनआंदोलन अब सीधे आतंकवादी-आत्मघाती हमलों, पूरी यात्री ट्रेन को हाईजैक करने तक पहुंच गया है। बलूच विद्रोहियों का क्या हश्र होगा, क्या पाकिस्तान चीन की मदद से उनकी गतिविधियों को कुचलने में सफल होगा, क्या बलूचिस्तान पाकिस्तान के लिए दूसरा ह्यबांग्लादेशह्ल बन जाएगा ऐसे कई सवाल बलूच लिबरेशन आर्मी के आतंकियों द्वारा ह्यजाफर एक्सप्रेसह्ल के अपहरण से खड़े हो गए हैं। इन सवालों का जवाब भविष्य में मिलेगा, लेकिन फिलहाल बलूचिस्तान के हालात पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गए हैं और निश्चित तौर पर सुलगता बलूचिस्तान पाकिस्तान पर लटकती तलवार बन गया है, इसमें कोई दो राय नहीं है!

जीडीपी की अंधी दौड़ से बढ़ेगा प्रदूषण

- डॉ. सुदर्शन अयंगर

खतरनाक रूप से उच्च वायु प्रदूषण के स्तर में वाले शहरों की सूची में अधिक कस्बों और शहरों को जोड़ा जाएगा। प्रदूषण घटाने के प्रयास वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन को और बढ़ाएंगे जो सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ देंगे। अधिक संपन्नता के कारण सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले मोटर चालित वाहनों की मांग बढ़ेगी। गतिहीन जीवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय और कार्डियो-श्वसन समस्याओं जैसी जीवनशैली की बीमारियों को जन्म देगा।

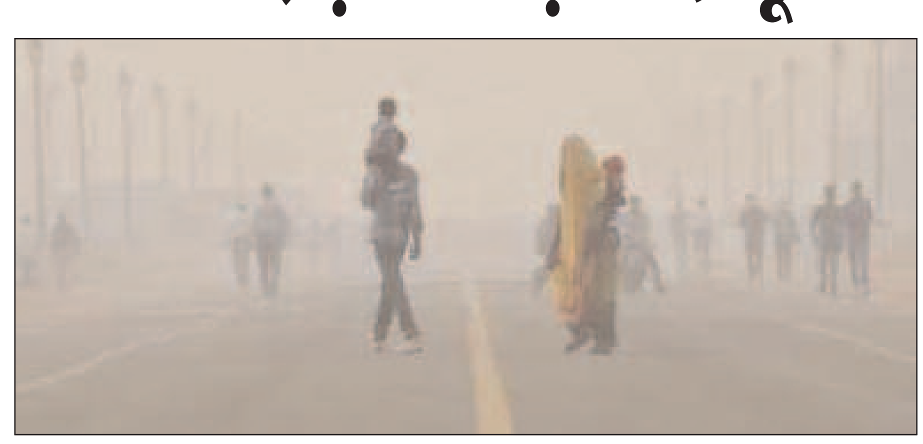

12 मार्च को एक राष्ट्रीय समाचारपत्र के अहमदाबाद संस्करण में एक शीर्षक ने ध्यान आकर्षित किया, 'क्या उपभोग की गरमाहट खपत को ठंडा कर सकती है?' विडंबना यह है कि 1930 में 12 मार्च के ही दिन गांधीजी और उनके चुने हुए 79 सत्याग्रहियों ने नमक कानून तोड़ने के लिए सुबह 6 बजे साबरमती आश्रम छोड़ दिया था। यही था सुप्रसिद्ध दांडी मार्च। प्रामाणिक दस्तावेजों में उस ऐतिहासिक दिन के विवरण में असामान्य गर्मी या तापमान में वृद्धि का उल्लेख नहीं किया गया था। 95 साल में मौसम विभाग ने रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अहमदाबाद में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के साथ भीषण गर्मी पड़ रही है। उस जमाने में तब शायद ही कोई मध्यवर्गीय अपने घर में पंखा लगे होने का दावा कर सकता था। होली के त्यौहार के समय सुबह ठंडी होती थी और दोपहर में तापमान 35 डिग्री से ऊपर नहीं जाता था। 22 दिसंबर, 1916 को गांधीजी ने इलाहाबाद में अर्थशास्त्रियों के समक्ष व्याख्यान दिया था जिसका शीर्षक था 'क्या आर्थिक प्रगति वास्तविक प्रगति से टकराती है?' 12 मार्च को प्रकाशित इस समाचार में यह प्रश्न पुनः उठाया गया है।

समाचार रिपोर्ट में कहा गया है- 'आधिकारिक मौसम एजेंसी ने चेतावनी दी है कि इस साल अधिक तीव्र गर्मी पड़ेगी। इस चेतावनी में भी उम्मीद की एक परत है क्योंकि तापमान सामान्य से अधिक होता है इसलिए एयर कंडीशनर, कूलर और शीत पेय पदार्थ जैसे उत्पादों की बिक्री में विशेष रूप से मजबूती देखी जाती है। यह मजबूती भारत की शहरी खपत में चल रही मंदी के बीच उपभोक्ता आधारित कंपनियों के लिए राहत प्रदान करता है'। इस संदर्भ में गांधीजी ने अपने व्याख्यान में कहा था- 'पश्चिमी देश आज भौतिकवाद के राक्षस-देवता की एड़ी के नीचे कराह रहे हैं। उनका नैतिक विकास अवरुद्ध हो गया है। वे अपनी प्रगति को पाउंड में मापते हैं। साउथ डकोटा अमेरिकी धन मानक बन गया है। वह अन्य राष्ट्रों के लिए ईर्ष्या का विषय है। मैंने अपने कई देशवासियों को यह कहते सुना है कि हम अमेरिकी धन हासिल करेंगे लेकिन इसके तरीकों से बचें। मैं यह सुझाव देने का साहस करता हूं कि यदि ऐसा प्रयास करते हैं तो और यदि यह किया गया था, तो यह विफलता का पूर्वाभास है।' (कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी, खंड 13, पृष्ठ 310-17)

कयामत के दिन के बारे में गांधीजी द्वारा की गयी भविष्यवाणी भले ही सच साबित न हुई हो लेकिन प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन तेजी से महसूस किया जा रहा है। उपर्युक्त समाचार में मुद्दा यह है कि प्रतिकूल जलवायु की स्थिति में भारत के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने की क्षमता है! कोई यह तर्क दे सकता है कि गर्मियों के महीनों (मार्च-जुलाई) में आम तौर पर कुछ उपभोक्ता सामग्रियों, जैसे कोल्ड ड्रिंक, टैल्कम पाउडर, आइसक्रीम आदि की मांग में वृद्धि होती है। हालांकि, पिछले तीन दशकों में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेगमेंट ने बिक्री में 40 से 60 फीसदी के बीच अधिक वृद्धि दिखाई है। तर्क यह है कि गर्मी में लू की घटनाएं जितनी अधिक होती हैं तथा दिन व रात का तापमान जितना अधिक होता है, कूलर और एयर कंडीशनर जैसे शीतलता प्रदान करने वाले उपकरणों की बिक्री उतनी ही अधिक होती है। यदि सर्दियों में शीत लहर चली तो भी इसी तरह के तर्क दिए जाएंगे।उस समय हीटिंग उपकरणों, गर्म कपड़ों और विशेष खाद्य व पेय पदार्थों के अधिक बाजार होंगे।

क्या यह एक चक्र नहीं है? और क्या हम इसमें फंस नहीं गए हैं? यह सब ऊर्जा उपयोग में भारी वृद्धि का कारण बनेगा जिनमें से अधिकांश जीवाश्म ईंधन आधारित है। कार्बन और अन्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि होगी। यह कम कार्बन वाली वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी और मशीनों में अधिक सार्वजनिक और निजी निवेश को आकर्षित करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व सुपर ऑटोमेशन कम लागत और प्रतिस्पर्धी होने के लिए काम पर कम लोगों को सहन करेंगे। बेरोजगारों के कल्याण के लिए राज्यों को कल्याणकारी कार्यक्रम और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली खैराती योजनाएं लागू करनी होंगी।

खतरनाक रूप से उच्च वायु प्रदूषण के स्तर में वाले शहरों की सूची में अधिक कस्बों और शहरों को जोड़ा जाएगा। प्रदूषण घटाने के प्रयास वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन को और बढ़ाएंगे जो सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ देंगे। अधिक संपन्नता के कारण सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले मोटर चालित वाहनों की मांग बढ़ेगी। गतिहीन जीवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय और कार्डियो-श्वसन समस्याओं जैसी जीवनशैली की बीमारियों को जन्म देगा।

सामान्य और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ-साथ अधिक पेशेवर व्यायामशालाएं तथा अधिक प्रशिक्षक सामने आएंगे। मोटी फीस लेने वाले विश्वविद्यालयों में इन समस्याओं से निपटने के लिए अधिक तकनीकी और विशेष शैक्षिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। ऐसा मालूम होता है या इससे यह संदेश मिल रहा है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन में ही जीडीपी वृद्धि की संभावना निहित है। चेतावनी जारी करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) मौजूद नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) भी गायब हो जाएगा और इसलिए अन्य समझौते भी समाप्त हो जाएंगे। प्रत्येक देश जीडीपी और इसके निरंतर विकास को अधिकतम करने के लिए स्वतंत्र और स्वायत्त होगा। यूएनओ के बिना 2030 तक वैश्विक स्तर पर गरीबी और भुखमरी को खत्म करना, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार करना और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए निर्धारित 17 लक्ष्यों का सतत विकास लक्ष्य समूह (एसडीजी) बेअसर हो जाएगा।

भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एलन मस्क ने भी शेयर की उनकी उपलब्धि

सूरत (एजेंसी)। भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक होल्ड करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धि गुजरात के सूरत में हुई, जहां खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को पकड़कर अपनी असाधारण ताकत का प्रदर्शन किया।

ग्रीक वास्तुकला से प्रेरित ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों ने इंसान की सहनशक्ति और ताकत की सीमाओं को लांघ दिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक तौर पर उनकी इस अविश्वसनीय उपलब्धि को मान्यता दी और उसका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया।

खराडी ने इस उपलब्धि के बाद एक्स पर लिखा कि उनके इस कारनामे को तब और पहचान मिली जब टेक अरबपति एलन मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो फिर से शेयर किया। वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा पोस्ट किया गया था।

खराडी ने एक्स पर लिखा, %यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि एलन मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो एक्स पर शेयर किया है। मैं बहुत खुश हूं और सातवें आसमान पर हूं। इसके अलावा मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की ताकत के क्षेत्र में दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है।%

खराडी की एक्स पर बयां की गई बायो के मुताबिक उनके नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को निहत्थे युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं। उनके पिछले कुछ रिकॉर्ड में एक मिनट में सबसे ज्यादा ड्रिंक कैन को हाथ से कुचलना और अपने सिर से सबसे ज्यादा लोहे की सलाखों को मोड़ना शामिल है।

20 साल बाद फिर आई लव यू का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक को देखकर हैरान हुए जहीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे। जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये।

जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

डब्लयूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस के नाम हुए सबसे अधिक खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं।

उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी।

वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है।

इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

शमी-बुमराह को फिटनेस दिलाने वाले नितिन पटेल ने लिया पद छोड़ने का फैसला

-टीम इंडिया को झटका, अब बीसीसीआई जल्द करेगा नए फिजियो की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की स्पोर्ट्स साइंस विंग में बड़ा बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके प्रमुख नितिन पटेल ने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह इस माह के आखिर तक ही अपनी सेवाएं देंगे। पटेल भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भी काम कर चुके हैं। अब बीसीसीआई जल्द ही उनके स्थान पर नए फिजियो की तलाश शुरु करेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक नितिन पटेल फिलहाल अपना नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था, जो अब खत्म होने वाला है। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली।

नितिन पटेल ने मोहम्मद शमी की वापसी में अहम भूमिका निभाई थी। लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पटेल वर्तमान में जसप्रीत बुमराह के रिहैब का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी देखरेख में श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल की थी। इस विश्व कप में भारत ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां श्रेयस अय्यर ने 530 रन बनाए थे और बुमराह ने 20 विकेट लिए थे।

पटेल के इस्तीफा देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने कागजात जमा कर दिए हैं। अब देखना है कि बीसीसीआई इस पद के लिए किसे नियुक्त करता है। जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर रहे हैं, और इस बात की अटकलें हैं कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पटेल का जाना भारतीय क्रिकेट की फिटनेस और चोट प्रबंधन प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

अब मेरे को शायद ही ऑस्ट्रेलिया जाने का अवसर मिले : विराट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को लगता है कि अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने का अवसर शायद ही मिले। कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शतक के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद के मुकाबलों में वह असफल रहे थे। जिससे भारतीय टीम को सीरीज में हार मिली थी। इससे भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे में 9 पारियों में 23.75 की औसत के साथ 190 रन ही बना पाये। कोहली को अंदाजा है कि उन्हें फिर से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने आरसीबी के एक कार्यक्रम में कहा, 'अगर आप मुझसे यह पूछेंगे कि मुझे कितनी ज्यादा निराशा होती है, किसी हार के बाद तो उसमें ऑस्ट्रेलिया का हाल का दौरा सबसे पहला रहा। यह मुझे इसलिए भी ज्यादा निराश करने वाला रहा क्योंकि अब शायद ही मुझे दोबारा ऑस्ट्रेलिया में जाकर फिर से चार साल के बाद टेस्ट खेलने का अवसर मिले।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने जो गलतियां ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर इस बार की है उसको ठीक करने का अवसर मिलना संभव नहीं है। ऐसे में जो कुछ भी आपके साथ जीवन में हो गया उसके बारे में शांति से सोचना होता है और उसी के साथ रहना पड़ेगा। अगर आप देखें तो 2014 के इंग्लैंड दौरे के बाद मेरे पास 2018 में वापस से जाकर गलतियों को सुधारने का मौका था जिसे मैंने किया पर इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जो हुआ उसमें सुधार नहीं कर पाउंगा।'

डब्ल्यूपीएल फाइनल में मिली हार पर दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने निराशा जतायी

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में टीम की हार पर निराशा जताते हुए कहा कि उनकी टीम मैच का दबाव नहीं झेल पायी। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में मुंबई इंडियंस से मिले 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रनों पर ही सिमट गयी। ये तीसरी बार है जब टीम को इस प्राकर से हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले दो सत्रों में भी उसे आरसीबी और मुंबई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। कोच बैटी ने कहा, 'सभी बहुत दुखी हैं। मुझे लगता है कि इस विकेट पर हम 150 रन तक पहुंच सकते थे पर बड़े फाइनल खेलने का दबाव खिलाड़ी झेल नहीं पाए हालांकि मुंबई की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसलिए उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये। उन्होंने मैच में लगातार अपनी पकड़ बनाये रखी जिससे हमारे लिए मुश्किलें बनी रहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो फाइनल हारने का उनकी टीम पर कोई मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं था। उन्होंने कहा, 'सभी लड़कियां काफी उत्साहित होकर उतरीं थीं। मैं उन्हें दोष नहीं देता। इससे पहले कहा जा रहा था कि पिछले दो फाइनल हारने से दबाव था पर से सही नहीं था। सभी खिलाड़ी काफी सकारात्मक और आत्मविश्वास से भरी थीं।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ने को तैयार नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं। साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे नीतीश ने अब अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया हैं और बीसीसीआई फिजियो ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। 21 वर्षीय नीतीश रेड्डी ने आखिरी बार 22 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद, चेन्नई में दूसरे टी20 मैच से पहले नेट्स में अभ्यास के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिसके कारण उन्हें पूरी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा। नीतीश ने बेंगलुरु में बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में फिटनेस टेस्ट पास किया, जिसमें यो-यो टेस्ट भी शामिल था। इससे पहले, आईपीएल 2024 की नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 13 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए थे और अपनी टीम के लिए एक उपयोगी ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। नीतीश रेड्डी का हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है। उन्होंने भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में 114 रनों की यादगार पारी खेली थी, जिससे उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर भी भरोसा बढ़ा है। आईपीएल 2025 में एसआरएच का पहला मुकाबला 23 मार्च को अपने घरेलू मैदान हैदराबाद में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। ऐसे में टीम और प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीतीश अपनी फिटनेस और फॉर्म से एक बार फिर प्रभावित करेंगे और टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

एफ 1: मैकलारेन के नोरिस ने ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीती, हैमिल्टन फेरारी के साथ डेब्यू में 10वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लैंडो नोरिस ने एफ1 2025 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मैक्स वर्स्टैपेन के आखिरी समय में बढ़त को रोकते हुए रविवार 16 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीता। बारिश और रोमांच से भरी इस रेस में लुईस हैमिल्टन ने फेरारी की तरफ से डेब्यू करते हुए 10वां स्थान हासिल किया, जबकि मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे।

अपने गृहनगर के हीरो ऑस्कर पियास्ट्री के लिए यह दिल तोड़ने वाला था क्योंकि एक समय पर वह बढ़त लेने की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन बारिश की वजह से एक गलती के कारण वह पिछड़ गए और क्रम से पीछे हो गए। फेरारी के लिए यह निराशाजनक रेस वीकेंड रहा, क्योंकि उनकी योजना विफल हो गई और रेस के अंतिम चरण की ओर एक बड़ा दाव उल्टा पड़ गया।

रविवार को रेस की शुरुआत से ही बारिश के कारण जैक डूलहान की कार दीवार से टकरा गई और पिछले साल के विजेता कार्लोस सैन्ज भी सेफ्टी कार के ट्रैक पर होने के बावजूद दुर्घटनाग्रस्त हो गए। आठवें लैप के करीब ग्रीन फ्लैग दिखाई दिया, जिसमें नॉरिस आगे चल रहे थे और उनके ठीक पीछे वेरस्टैपेन थे। हैमिल्टन के लिए यह शुरुआत से ही निराशाजनक रेस थी, क्योंकि उनके आगे एल्बोन ने उन्हें नियंत्रित रखा हुआ था।

पियास्ट्री, जो वेरस्टैपेन का पीछा कर रहे थे, अंततः लैप 17 में एक शानदार चाल के साथ विश्व चैंपियन से आगे निकल गए। वेरस्टैपेन के टायर घिस रहे थे और उनकी स्पीड भी गिरने लगी, एक समय पर नॉरिस 10 सेकंड की बढ़त पर थे। पियास्ट्री नॉरिस करीब आने लगे, लेकिन उन्हें अपना स्थान बनाए रखने के लिए कहा गया, इससे पहले कि उन्हें बताया गया कि वे 34वें लैप में रेस के लिए स्वतंत्र हैं।

अलोंसो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और यह ड्राइवरों के लिए टायर बदलने का समय था, जो वेरस्टैपेन, नॉरिस और हैमिल्टन जैसे लोगों ने किया। लेकिन और बारिश की वजह से नॉरिस और पियास्ट्री दोनों ही ट्रैक से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की हालत खराब रही क्योंकि बारिश बढ़ने के साथ ही वह ग्रिड के पीछे चले गए और वेरस्टैपेन ने बढ़त ले ली।

फेरारी ने सोचा था कि उन्होंने एक मास्टरस्ट्रोक किया है जब उन्होंने दोनों को बाहर कर दिया जबकि अन्य लोग इंटरमीडिएट में बदलने आए थे, लेकिन डॉसन और बोर्टोलेटो के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सेफ्टी कार एक बार फिर आ गई। नॉरिस ने वेरस्टैपेन से आगे सेफ्टी कार के साथ फिर से बढ़त हासिल कर ली। वह 52वें लैप पर रेसिंग की स्थिति में वापस आ गए। नॉरिस ने शानदार रीस्टार्ट किया क्योंकि पियास्ट्री ऑर्डर में वापस आने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वेरस्टैपेन ने नॉरिस पर दबाव बनाए रखने की पूरी कोशिश की जबकि अल्बोन चौथे स्थान के लिए एंटोनेली से जूझते रहे।

मर्सिडीज ड्राइवर को 5 सेकंड की पेनल्टी दी गई और नॉरिस द्वारा चेकर्ड फ्लैग लेने के बाद एल्बोन ने चौथा स्थान प्राप्त किया। हैमिल्टन अंत में वह गुस्से में थे क्योंकि पियास्ट्री ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए नौवां स्थान प्राप्त किया। अगली रेस 23 मार्च को होगी क्योंकि ड्राइवर अब चीनी ग्रैंड प्रिक्स के लिए तैयार होंगे।

धोनी का वीडियो देख फैंस ने कहा, लगता हैं बाबा माही ने बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली

मुंबई । आईपीएल 2025 का आगाज होने वाला है। इसके साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है। सीएसके नेट्स सेशन से धोनी का ताजा वीडियो सामने आया है। वीडियो को देखकर लगा रहा इस साल भी धोनी अपना अंदाज बदलने वाले नहीं है। ऐसा लग रहा हैं कि माही ने आईपीएल शुरू होने से ही बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली है कि इस सीजन भी उनकी खैर नहीं। वहीं, वीडियो देखकर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। लोगों के रिएक्शन से साफ जाहिर है कि उन्हें धोनी को खेलते हुए देखने का किस कदर इंतजार है। धोनी के प्रैक्टिस सेशन का वीडियो एक्स पर आते ही फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई है। लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने लिखा है, सीएसके की पारी का 20वां ओवर। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि आईपीएल के अंतिम साल में हम सभी को शायद धोनी की बल्ले से कोई कमाल और देखने को मिले है। कुछ यूजर ने लिखा है थाला दर्शनम और वहीं, एक यूजर ने लिखा है अच्छे टच में नजर आ रहे हैं। बता दें कि धोनी पूरे साल क्रिकेट से दूर रहते हैं। आईपीएल शुरू होने से कुछ कुछ हफ्ते पहले वे नेट्स पर पहुंचते हैं और प्रैक्टिस शुरू करते हैं। पिछले साल आईपीएल में धोनी अंत के कुछ ओवरों में उतरते थे और बेहद आक्रामक अंदाज में छक्के उड़ाते थे। जिस भी ग्राउंड पर चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम खेलने पहुंचती थी वहां धोनी के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता था।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

-चेन्नई ने ऋतुराज तो लखनऊ ने ऋषभ पंत को सौंपी है कमान

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है।

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया। ऐसे में रजत पाटीदार को नया कप्तान बनाया है।

आईपीएल 2025: इम्पैक्ट प्लेयर नियम से बदलेगी टीमें, रणनीतियों में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, और इस बार भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम सुर्खियों में रहने वाला है। आईपीएल 2023 में पहली बार लागू किए गए इस नियम ने टीमों को एक नई रणनीतिक बढ़त दी थी, जिससे मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी को बदला जा सकता है। इस नियम ने न सिर्फ टीमों के संतुलन को बदला बल्कि कप्तानों को नई रणनीतियां बनाने पर मजबूर कर दिया। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत, टॉस के बाद हर टीम प्लेइंग इलेवन के अलावा पांच और खिलाड़ियों के नाम देती है। मैच के दौरान इनमें से कोई भी एक खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी भी खिलाड़ी की जगह ले सकता है। यह नियम पहले से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में लागू हो चुका था, लेकिन आईपीएल में इसे पहली बार 2023 में आजमाया गया था। इस नियम से कप्तानों को यह लाभ मिला कि वे टॉस के बाद भी अपनी टीम की रणनीति को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बदल सकते हैं।

इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि टॉस का प्रभाव कम हो जाता है। कप्तानों को टॉस के समय टीम शीट देने की जरूरत नहीं होती, जिससे वे मैच की परिस्थिति के अनुसार रणनीति बना सकते हैं। हालांकि, इस नियम के कुछ सीमित उपयोग भी हैं। टीमें इस नियम का उपयोग विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं कर सकतीं। अगर मैदान पर पहले से ही चार विदेशी खिलाड़ी खेल रहे हैं, तो इम्पैक्ट प्लेयर सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही हो सकता है। लेकिन अगर किसी टीम ने अपने प्लेइंग इलेवन में चार से कम विदेशी खिलाड़ी उतारे हैं, तो वे एक विदेशी खिलाड़ी को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईपीएल 2023 के पहले ही मैच में इस नियम का इस्तेमाल देखने को मिला था, जब गुजरात टाइटन्स ने चोटिल केन विलियमसन की जगह साई सुदर्शन को उतारा था, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने अंबाती रायुडू की जगह तुषार देशपांडे को मैदान में भेजा था। इसके बाद से हर टीम ने इस नियम का भरपूर फायदा उठाया और इसे अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया। आईपीएल 2025 में यह नियम एक बार फिर से मैचों के नतीजों पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। टीमों को इस नियम का बुद्धिमानी से उपयोग करना होगा ताकि वे अपनी रणनीति को और अधिक प्रभावी बना सकें और मुकाबले के दौरान मैच को अपने पक्ष में मोड़ सकें।

भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे?: सारा अली खान

अभिनेत्री सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' के एक गाने की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। उसमें लिखा, भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे? इसके साथ ही उन्होंने इब्राहिम की स्टाइल और अंदाज की तारीफ करते हुए कहा, मेरे भाई का अलग स्वैग है। इससे पहले सारा ने मुंबई में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया और अपने छोटे भाई के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे भाई, मैं वादा करती हूँ कि हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगी और तुम्हारी सबसे बड़ी प्रशंसक बनी रहूंगी। तुम हमेशा मेरे लिए एक स्टार थे और अब, भगवान की इच्छा से पूरी दुनिया तुम्हें चमकते, धमाका करते हुए देखेगी। फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है, यह तो बस शुरुआत है। फिल्म निर्माता करण जौहर ने भी अपने सोशल मीडिया पर इब्राहिम के डेब्यू को लेकर खुशी जताई। उन्होंने लिखा, वह दिन आ गया है! प्यार, दोस्ती और ढेर सारी नादानी से भरी कहानी के दरवाजे खुल गए हैं! इसे देखें, महसूस करें और इसके साथ झूमें। 'नादानियां' देखें, अभी, केवल नेटफ्लिक्स पर। फिल्म का निर्देशन शौना गौतम ने किया है और इसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'नादानियां' की कहानी पिया (खुशी कपूर) की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्तों से झूठ बोलती है कि उसका एक बॉयफ्रेंड है, लेकिन असल में वह फेक होता है।

फिल्म में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों को फिल्म की कहानी कमजोर लगी, तो कुछ ने कहा कि इब्राहिम ने अपने डेब्यू के हिसाब से शानदार प्रदर्शन किया है। अब देखना होगा कि इस फिल्म से उन्हें बॉलीवुड में कितनी मजबूती मिलती है। बता दें कि सारा अली खान अपने भाई के फिल्मी कॅरियर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इब्राहिम इस रोमांटिक एंटरटेनर के साथ बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं, और उनकी बहन सारा लगातार उनका हौसला बढ़ा रही हैं।

फिर मनवाया विनीत कुमार ने अपनी प्रतिभा का लोहा

बालीवुड अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लक्ष्मण उतेकर की छावा और रीमा कागती की सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में लगातार दो हिट फिल्में दीं। इन दोनों फिल्मों में उनके किरदारों को दर्शकों ने खूब सराहा और उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा एक बार फिर मनवाया। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई, जो एक निडर योद्धा, महान कवि और छत्रपति संभाजी महाराज के सबसे करीबी मित्रों में से एक थे। वहीं, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में उन्होंने फरोग़ नामक संघर्षरत लेखक का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है। अभिनय के मामले में विनीत ने हमेशा की तरह बेहतरीन प्रदर्शन किया और आलोचकों को कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उनकी इस सफलता को देखते हुए हाल ही में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। इस सम्मान से अभिभूत विनीत ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मैं उन सभी का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरी मेहनत का सम्मान नहीं है, बल्कि यह टीमवर्क और कम्युनिटी की ताकत का भी प्रमाण है। आपके संदेश हमेशा मेरे दिल को छू जाते हैं, जब आप कहते हैं कि मेरी सफलता आपको अपनी लगती है। और मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह पुरस्कार मेरे लिए इतना खास इसलिए है क्योंकि यह आप सभी का है! आपकी दुआएं, प्रोत्साहन और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा में परिवार, दोस्तों, मेंटर्स और सहयोगियों का साथ हमेशा एक मजबूत आधार रहा है। विनीत ने अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, आगे और भी बड़ी उपलब्धियां उनका इंतजार कर रही हैं। बता दें कि साल 2025 अभिनेता विनीत कुमार सिंह के लिए बेहद खास साबित हुआ है। अपने प्रोजेक्ट्स में हमेशा वाइल्डकार्ड की तरह उभरने वाले विनीत इस बार भी आलोचकों और दर्शकों की तारीफें बटोरने में सफल रहे।

अनुपम खेर का भावुक पोस्ट

2022 में रिलीज़ हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को आज तीन साल पूरे हो चुके हैं। कश्मीरी हिंदुओं के दर्दनाक विस्थापन की सच्चाई को दर्शाने वाली इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि एक गहरी सामाजिक बहस को भी जन्म दिया। रिलीज के समय फिल्म विवादों से भी घिरी रही, लेकिन इसकी प्रभावशाली कहानी और दमदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की तीसरी वर्षगांठ पर अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, यह हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक फिल्म है। कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष को दुनिया तक पहुंचाने के लिए ऐसी फिल्म की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि भले ही हालात पूरी तरह नहीं बदले हों, लेकिन कम से कम अब दुनिया उस दर्द को समझने लगी है। साथ ही उन्होंने फिल्म के निर्माता पल्लवी जोशी और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का धन्यवाद भी किया। द कश्मीर फाइल्स आज भी दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ रही है और इस विषय पर चर्चा को जारी रखे हुए है।

फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं रशिमका मंदाना

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री रशिमका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की शूटिंग कर रही हैं। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्ट्रेस ने फिल्म के नाइट शेड्यूल की झलक साझा की। रशिमका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह कार में सोती नजर आ रही हैं, जिस पर उन्होंने कैप्शन दिया, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। दूसरी तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी हैं और एक ट्रैवल कप पकड़े हुए हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। उनकी इन तस्वीरों ने प्रशंसकों को फिल्म के प्रति और अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए फिल्म की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह और उनकी टीम फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड का मैच देख रहे थे। जैसे ही भारत ने फाइनल में जीत दर्ज की, पूरी टीम ने खुशी मनाई। हालांकि, इसके बाद टीम ने धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर वापसी की। आयुष्मान ने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। 'थामा' एक मनोरंजक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें एक रहस्यमयी और भयावह पृष्ठभूमि देखने को मिलेगी। इस फिल्म में रशिमका और आयुष्मान की जोड़ी के साथ अनुभवी अभिनेता परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा किया जा रहा है और इसे अक्टूबर 2025 में रिलीज किए जाने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं, जो हाल ही में हिट फिल्म 'मुंज्या' के लिए चर्चा में थे। फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा द्वारा लिखी गई है। इसमें एक अथक इतिहासकार की कहानी दिखाई जाएगी, जो प्राचीन ग्रंथों की खोजबीन के दौरान स्थानीय पिशाच किंवदंतियों से जुड़े भयावह सच को उजागर करता है।

ससुराल में आरती सिंह की पहली होली

टीवी एक्ट्रेस और गोविंदा की भांजी आरती सिंह के लिए इस बार की होली बेहद खास रही। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी, जिसे उन्होंने ससुराल में धूमधाम से सेलिब्रेट किया। आरती ने अपनी होली सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीरों के जरिए साझा की। तस्वीरों में आरती अपने पति दीपक चौहान के साथ रंगों में सराबोर नजर आ रही हैं। कभी वह पिचकारी के साथ पोज देती दिखीं तो कभी पति की गोद में मस्ती करती नजर आईं। उनके गालों पर गुलाल लगा था और वह होली के जोश में जय जय शिव शंकर गाने पर झूमकर नाच रही थीं। वहीं, 'एक के दो, दो के चार... मुझको तो दिखते हैं' गाते हुए उनके एक्सप्रेशंस देखने लायक थे। बता दें कि कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह ने 25 अप्रैल 2024 को दीपक चौहान से शादी की थी। शादी के बाद से ही वह अपनी मजेदार रील्स और खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। अब उनकी पहली होली की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

मालदीव में छुट्टियां मना रही रकुल प्रीत

बालीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने पति, निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। यहां से एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन की कई रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने एक प्यार भरा पोस्ट भी लिखा है। रकुल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कपल एक-दूसरे को हग करते दिख रहा है। वीडियो में रकुल, जैकी से पूछती हैं, 'सनसेट पसंद है?' जैकी रकुल की ओर देखते हैं और जवाब देते हैं, 'बहुत प्यारा है'। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और फिल्म, पर्सनल लाइफ से जुड़े पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का गुलदस्ता भेंट किया, जिसे पाकर वह बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी खुशी शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया, जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं। तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, आई लव यू'। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने अपनी शादी के एक साल पूरे होने पर 21 फरवरी को जश्न मनाया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया। क्लिप में रकुल और जैकी के साथ बिताए समय की मनमोहक झलकियां भी दिखाई दी। रकुल और जैकी कोविड लॉकडाउन के दौरान करीब आए थे।

विद्युत जामवाल ने मथुरा में खेली धूमधाम से होली

पूरे देश में होली की धूम मची हुई है, और बॉलीवुड सितारे भी इस रंगों के त्योहार का जमकर आनंद ले रहे हैं। इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं और फैंस के साथ धूमधाम से होली मनाई। मथुरा, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है, होली के लिए खास प्रसिद्ध है। विद्युत ने श्री द्वारिकाधीश मंदिर में शंखनाद किया और भक्तों संग जमकर रंग खेला। उन्होंने मथुरा की अनोखी होली को लेकर एक खास अपील भी की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, जो हम यूट्यूब या फिल्मों में देखते हैं, असली अनुभव तो यहां आने के बाद ही होता है। मैं सभी भारतीय नागरिकों और बॉलीवुड सेलेब्स से अनुरोध करता हूं कि वे एक बार मथुरा आकर होली का अनुभव जरूर लें। विद्युत जामवाल, जो कमांडो और फोर्स जैसी हिट फिल्मों से फैंस के दिलों में जगह बना चुके हैं, जल्द ही मद्रासी में नजर आएंगे। यह फिल्म मशहूर निर्देशक ए.आर. मुरुगदास की है। उन्होंने कहा कि मथुरा की होली उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

शालिनी और कार्तिक की जोड़ी हो सकती है शानदार: गजराज राव

हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में मशहूर अभिनेता गजराज राव ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी शानदार साबित हो सकती है। एक्टर ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वह कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। मशहूर अभिनेता गजराज राव ने अभिनेत्री शालिनी पांडे की जमकर तारीफ की है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी और ज्योतिका भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आ रही है और खासतौर पर शालिनी पांडे के किरदार राजी को खूब सराहा जा रहा है। इससे पहले भी शालिनी ने अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार और महाराज जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है। गजराज राव की इस सिफारिश के बाद अब शालिनी और कार्तिक आर्यन के साथ आने की संभावनाओं पर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 के लिए आईफा अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) का पुरस्कार जीता। उन्होंने अवॉर्ड लेते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। कार्तिक ने याद करते हुए कहा कि जब उन्हें भूल भुलैया 2 में कास्ट किया गया था, तो कई लोगों ने शक जताया था कि क्या वह इस फ्रैंचाइजी को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मुझे भूल भुलैया 2 के लिए चुना गया था, तब लोग कहते थे कि क्या मैं इस फिल्म को कर पाऊंगा। हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

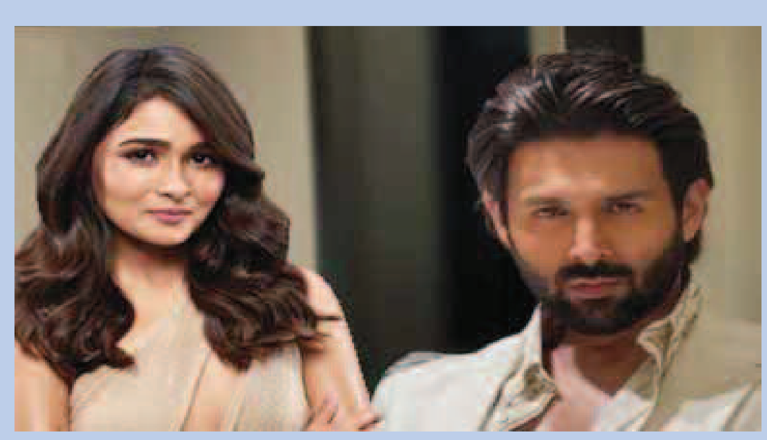

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा कोमल प्रिंटर्स चौधरी मार्केट मोरना, सेक्टर-35 नोएडा गौतमबुद्धनगर से छपवाकर मकान नं0.57 ग्राम सौरखा जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 से प्रकाशित किया। RNI.NO.UPHIN/2010/31600
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदाई। सभी विवादों के न्याय गौतमबुद्धनगर (**संपादक: प्रमोद यादव**) न्यायालय के अधीन होगा। M-9999164275,editorsaimedia@gmail.com